परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल से लैस अरिहंत श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी गुरुवार को नौसेना को मिल गई। परमाणु शक्ति संपन्न आइएनएस अरिघात को विशाखापत्तनम में नौसेना में शामिल किया गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः258 दिनांकः30-08-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

नेशनल स्पोर्ट्स डे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपना एक वीडियो शेयर किया है। ये वीडियो राहुल के भारत जोड़ो न्याय यात्रा का है जिसमें वो मार्शल आर्ट की प्रैक्टिस करते दिख रहे हैं।

गुजरात में मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक भारी से अति भारी बारिश की भविष्यवाणी की

गांधीनगर 29 अगस्त,

पिछले कई दिनों से राज्य में मेघराज का प्रकोप जारी है, वहीं कई इलाकों में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। जिसमें आज (29 अगस्त) कच्छ, मोरबी, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर जिले में रेड अलर्ट, गिर सोमनाथ में ऑरेंज अलर्ट और सुरेंद्रनगर, बोटाद, भावनगर, अमरेली जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं कल (30 अगस्त) को कच्छ समेत सौराष्ट्र के कुछ जिलों में गरज के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। पिछले 24 घंटों में राज्य के 238 तालुकाओं में बारिश हुई है।

पिछले 24 घंटों में राज्य के 238 तालुकाओं में बारिश हुई है। जिसमें देवभूमि द्वारका के भनवाद में 295 मिमी, कच्छ के अब्डासा में 275 मिमी, देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर में 263 मिमी, खंभालिया में 225 मिमी, द्वारका में 215 मिमी, कच्छ के लखपत में 226 मिमी, नखत्राणा में 226 मिमी। मांडवी में 182, जामनगर के जामजोधपुर में 218 मिमी।

30 अगस्त को सौराष्ट्र के सात जिलों में मूसलाधार बारिश होगी। जिसमें कच्छ, मोरबी, जामनगर और देवभूमि द्वारका में गरज के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। जबकि राजकोट, पोरबंदर और जूनागढ़ जिलों में गरज के साथ भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा 26 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है।

जहां सौराष्ट्र और कच्छ समेत दक्षिण गुजरात के कुछ जिलों में लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश का अनुमान है, वहीं 31 अगस्त को कच्छ, जामनगर देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, नवसारी और वलसाड जिलों के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान है। सितंबर की शुरुआत से ही राज्य के सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात इलाकों में कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, जबकि राज्य के दक्षिण गुजरात इलाकों में 4 सितंबर तक भारी बारिश होगी। 2 सितंबर को भारी से बहुत भारी बारिश के बाद वडोदरा और छोटा उदेपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और भावनगर, आनंद, भरूच, नर्मदा, पंचमहल और दाहोद जिलों में भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, 3 सितंबर को दक्षिण गुजरात के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान है, जबकि भरूच और नर्मदा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के बाद ऑरेंज अलर्ट और आनंद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भावनगर, सूरत में भारी बारिश के बाद येलो अलर्ट है। नवसारी, तापी, डांग और वलसाड जिलों की घोषणा की गई है। भावनगर, भरूच, नर्मदा, तापी, सूरत, नवसारी, डांग और वलसाड जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश के कारण 4 सितंबर को राज्य के आठ जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 25 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आज (29 अगस्त) दक्षिण गुजरात, सौराष्ट्र और भरूच के जिलों में 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। वहीं कल (30 अगस्त) को गुजरात के तट, पाकिस्तान तट और पूर्वोत्तर समेत आसपास के पूर्वी मध्य अरब सागर के इलाकों में 55 से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवाती तूफान आने की संभावना है।

गुजरात में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ आ गई है, कई इलाकों में पानी भर गया है। भारी बारिश से कई लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि कुछ लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही भारी से बहुत भारी बारिश के बीच कई दूरदराज के गांवों का संपर्क टूट गया है। दूसरी ओर, एनडीआरएफ और स्थानीय अधिकारियों द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन बारिश के कारण अब तक 35 लोगों की जान चली गई है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले चार दिनों से लगातार हो रही भारी से भारी बारिश के कारण राज्य के कई गांवों में बाढ़ आ गई है। जबकि कल रात (28 अगस्त) से भारी बारिश के कारण जामनगर जिले के 71 गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

जिले में बाढ़ की स्थिति के कारण पानी घटने से कई इलाके बह गये हैं। सेना, वायुसेना और तटरक्षक बल के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत अभियान चला रहे हैं, अब तक 17800 लोगों को बचाया गया है।

डीपफेक तकनीक समाज के लिए खतरा....केंद्र इस पर काम करे

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र से कहा कि डीपफेक तकनीक समाज में एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। केवल तकनीक ही आर्टिफिशल इंटेलिजेंस(एआई) की काट हो सकती है। कोर्ट ने मोदी सरकार को इस मुद्दे पर काम करने की सलाह दी। एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच डीपफेक टेक्नॉलजी पर नियंत्रण न होने के खिलाफ दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एएसजी चेतन शर्मा से कहा कि केंद्र सरकार को इस पर काम शुरू करना होगा। यह (डीपफेक) समाज में एक गंभीर खतरा बनने जा रहा है। आप भी कुछ स्टडी करें। यह ऐसा कुछ है कि आप जो देख रहे हैं और जो सुन रहे हैं, आप उस पर भरोसा नहीं कर सकते। यह कुछ ऐसा है जो चकित करता है। हमने अपनी आंखों से देखा और जो अपने कानों से सुना, उस पर भरोसा नहीं करना है, पर यह बहुत ही चौंकाने वाला है।

दरअसल पत्रकार रजत शर्मा ने देश में डीपफेक तकनीक के नॉन-रेगुलेशन के खिलाफ एक याचिका दायर की है। याचिका में उन्होंने ऐसी सामग्री के निर्माण में मदद देने वाले एप्लिकेशन और सॉफ्टवेयर तक सार्वजनिक पहुंच को रोकने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि चुनावों से पहले, सरकार इस मुद्दे पर चिंतित थी और अब चीजें बदल गई हैं। इस पर, एएसजी ने कहा कि हम अभी भी उतने ही चिंतित हैं जितने तब थे।

राजद का दावा, चिराग के तीन सांसद पीएम मोदी से मिले, बिहार में हलचल

-रोशन बोले- बीजेपी का इतिहास है अपने सहयोगी दलों को तोड़ना

पटना,(ईएमएस)। बिहार में सियासत में हलचल नजर आ रही है। चिराग पासवान और बीजेपी के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस सब के बीच राजद भी अपने फायदे की उम्मीद में बैठी है। राजद ने दावा किया कि रामविलास पासवान की पार्टी के तीन सांसद बीजेपी के संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, राजद की ओर से उसके विधायक मुकेश रोशन ने यह भी दावा किया कि यह तीनों सांसद एक-एक करके पीएम मोदी से मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास रहा है कि वे अपने सहयोगी दलों को ही तोड़ देती है।

उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि बीजेपी ने वीआईपी के तीन विधायक तोड़ दिए। चिराग की पार्टी और पांच सांसद पहले तोड़ दिए थे। नीतीश की पार्टी को भी तोड़ने की कोशिश की गई थी। अपने पक्ष को मजबूत करते हुए मुकेश रोशन ने कहा कि हाल के दिनों में चिराग पासवान लगातार बीजेपी को आंख दिखा रहे हैं। ऐसे में उनकी भी पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने निमंत्रण देते हुए कहा कि चिराग के पास अभी बड़ा मौका है, वह तेजस्वी यादव के साथ आ जाएं, बिहार के विकास में अपना योगदान दें।

एनडीए ने पलटवार किया है। नीतीश सरकार के मंत्री और जदयू के नेता जमा खान ने कहा कि एनडीए पूरी तरीके से मजबूत है। 2025 में राजद नेताओं की जमानत जप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राजद वाले पूरी तरीके से बौखला रहे हैं। एनडीए 2025 में एक साथ चुनाव लड़ेगा और जीतकर मजबूती से वापसी करेगा। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार का भी बयान सामने है। उन्होंने कहा कि राजद के संपर्क में कोई नहीं है, इसलिए यह बौखला रहे हैं। तेजस्वी से ज्यादा सांसद तो चिराग पासवान के पास हैं।

उन्होंने कहा कि चिराग पासवान मेच्योर नेता है। वह अपना फैसला लेने में सक्षम हैं। एनडीए मजबूत है। सहयोगी दल के सभी सांसद संपर्क में हैं। वहीं एलजेपी नेता और सांसद राजेश वर्मा का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि राजद ख्याली पुलाव पका रही है। हमारी पार्टी पूरी तरीके से एकजुट है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हरियाणा, दिल्ली में 834 करोड़ की संपत्तियों को अटैच किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हरियाणा, दिल्ली और गुरुग्राम में 401 एकड़ में फैली 834 करोड़ की संपत्तियों को अटैच कर लिया है। इस केस से जुड़ी जांच में भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम भी जुड़ता नजर आ रहा है। जब्त की गई संपत्तियां गुरुग्राम, हरियाणा और दिल्ली की हैं। इनमें 501 करोड़ की संपत्तियां ईएमएएआर इंडिया लिमिटेड की हैं तो वहीं बाकी की बची हुई 332 करोड़ की संपत्तियां एमजीएफ डेवलपमेंट लिमिटेड की हैं। दोनों ही कंपनियों के ऊपर मनी लॉन्ड्रिंग केस के तहत जांच चल रही थी। इस बात की जानकारी ईडी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके दी है।

सीबीआई ने पूर्व मुख्य मंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, उस समय के डीटीसीपी के डायरेक्टर त्रिलोक चंद गुप्ता,ईएमएआर इंडिया लिमिटेड,एमजीएफ डेवलपमेंट लिमिटेड समेत 14 अन्य कॉलोनाइजर कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इन लोगों के ऊपर आईपीसी 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत केस दर्ज किया गया था। इसी आधार पर ईडी इस केस की जांच कर रही थी। इस मामले में बड़े पैमाने पर जनता, जमीन मालिकों और हरियाणा राज्य के साथ जमीन की खरीद-बिक्री में की गई धोखाधड़ी शामिल है।

ईडी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ईडी ने अपनी जांच में पाया कि भूपेंद्र हुड्डा का असली मकसद कभी भी जमीन का अधिग्रहण करना था ही नहीं। यह किसानों को डराकर जमीन लेने का एक प्लान था। ताकि जिन किसानों ने अपनी जमीन बेची हो या ना बेची हो, वो लोग जमीन अधिग्रहण के डर से अपनी जमीनें उन बिल्डरों को किसी समझौते के तहत बेचने को मजबूर हो जाएं।

फिर सामने आया अमेरिका का दोहरापन ....बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले पर चुप

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया भर में अधिकारों और लोकतंत्र का संरक्षक अमेरिका बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर चुप है। इस दोहरे मापदंड का पता मोदी-बाइडेन वार्ता के रीडआउट से बांग्लादेश और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार का उल्लेख हटा देना था। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के तहत अमेरिका बांग्लादेश की स्थिति की आलोचना करने से क्यों बच रहा है?

दरअसल, जब बांग्लादेश में भारत के हितों की बात आती है, तब अमेरिका विपरीत गुट में होता है। अमेरिका ने 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति को रोकने की कोशिश की और फिर उन राजनीतिक दलों का साथ दिया जो पाकिस्तान समर्थक थे। अमेरिका ने हमेशा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का समर्थन किया है, जिसके शासन के दौरान भारत विरोधी ताकतों को बांग्लादेश एक सुरक्षित ठिकाना मिला। अमेरिका ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में अवामी लीग शासन को कमजोर करने के लिए सभी तक काम किया। अमेरिका ने बांग्लादेश के जन्म को रोकने की कोशिश की। लेकिन आज भी, वह बांग्लादेश के संबंध में भारत के साथ एकमत नहीं है।

भू-रणनीतिज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने कहा कि मनमाने ढंग से गिरफ्तारियों, जबरन इस्तीफा और राजनीतिक बंदियों पर शारीरिक हमले। 26 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने युद्धग्रस्त यूक्रेन के दौरे से लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया। उनके द्वारा चर्चा किए गए मुद्दों में यूक्रेन और बांग्लादेश का संकट भी शामिल था। भारतीय रीडआउट में उल्लेख किया गया कि पीएम मोदी और बाइडेन ने बांग्लादेश की स्थिति पर अपनी साझा चिंता व्यक्त की, व्हाइट हाउस रीडआउट इस मुद्दे पर चुप था और केवल यूक्रेन-रूस युद्ध पर केंद्रित था।

पासपोर्ट बनवाने वाले सावधान! आज से नहीं होगा ऑनलाइन पासपोर्ट पोर्टल पर काम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ऑनलाइन पासपोर्ट पोर्टल पर पांच दिनों तक काम नहीं होगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल में तकनीकी रखरखाव के कारण, पोर्टल 29 अगस्त की रात 8 बजे से 2 सितंबर की सुबह 6 बजे तक पूरी तरह बंद किया जा रहा है। इसके चलते इस दौरान न तो नए आवेदन किए जा सकेंगे और न ही पहले से बुक किए गए अपॉइंटमेंट्स ही होंगे।

30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच जिन आवेदकों के अपॉइंटमेंट्स हैं, उन्हें नए सिरे से अपॉइंटमेंट लेना होगा। सर्विस बंद होने का असर पासपोर्ट सेवा केंद्र के साथ-साथ लोकल पासपोर्ट ऑफिस और विदेश मंत्रालय पर पड़ेगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम तकनीकी रखरखाव के लिए उठाया जा रहा है। इस दौरान देशभर के सभी पासपोर्ट सेवा केंद्र, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय और विदेश मंत्रालय में पासपोर्ट सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने आश्वासन दिया है कि सभी आवेदकों के अपॉइंटमेंट्स को नए सिरे से तय किया जाएगा और उन्हें सूचित किया जाएगा। पासपोर्ट सेवा पोर्टल ने सभी नागरिकों को सूचित किया है कि पोर्टल 29 अगस्त (गुरुवार) रात 8 बजे से 2 सितंबर, (सोमवार) सुबह 6 बजे तक तकनीकी के चलते बंद किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान नागरिकों और संबंधित अधिकारियों के लिए पोर्टल उपलब्ध नहीं होगा।

बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा। हाई कोर्ट ने पहलवानों के आरोपों के मामले में दायर सिंह की याचिका पर फिलहाल सुनवाई से इंकार किया। गुरुवार को हाईकोर्ट ने कहा कि उन्होंने अपने खिलाफ आरोप तय करने के आदेश और कार्यवाही को चुनौती देने के लिए एक ही याचिका क्यों दायर की है?

सिंह ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए, महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में दर्ज एफआईआर और आरोपों को रद्द करने की मांग की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, याचिका पर जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सांसद सिंह से पूछा कि उन्होंने अपने खिलाफ आरोप तय करने के आदेश और कार्यवाही को चुनौती देने के लिए एक ही याचिका क्यों दायर की है? जज ने कहा, हर चीज पर एक सर्वव्यापी आदेश नहीं हो सकता। दिल्ली हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में दर्ज प्राथमिकी और आरोप रद्द करने का अनुरोध वाली दलीलों पर नोट दाखिल करने का समय दिया है। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 26 सितंबर तय की है।

पीएम मोदी पर टिप्पणी.... शशि थरूर को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर की गई कथित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता थरूर के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इंकार किया। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने मानहानि की कार्यवाही को चुनौती देने वाली थरूर की याचिका को खारिज किया। साथ ही दोनों पक्षों को 10 सितंबर को ट्रायल कोर्ट के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है।

मामले में सुनवाई कर हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने कहा, कार्यवाही को रद्द करने का कोई आधार नहीं बनता है। थरूर ने निचली अदालत के 27 अप्रैल, 2019 के आदेश को रद्द करने की मांग की थी, जिसके तहत उन्हें भाजपा नेता राजीव बब्बर द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत में आरोपी के रूप में तलब किया था। उन्होंने 2 नवंबर, 2018 की शिकायत को रद्द करने की भी मांग की थी।

भाजपा नेता बब्बर ने आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें दावा किया था कि कांग्रेस नेता के बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अक्टूबर 2018 में, थरूर ने दावा किया था कि एक अनाम आरएसएस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना शिवलिंग पर बैठे बिच्छू से की थी।

शिकायतकर्ता ने कहा था, मैं भगवान शिव का भक्त हूं... हालांकि, आरोपी (थरूर) ने करोड़ों शिव भक्तों की भावनाओं की पूरी तरह से अवहेलना की, (और) ऐसा बयान दिया जिससे भारत और देश के बाहर सभी भगवान शिव भक्तों की भावनाएं आहत हुईं।

शिवाजी प्रतिमा मामले में शिंदे-फडणवीस और पवार ने मांगी माफी

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर माफी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने बहुत जल्द एक बड़ी मूर्ति बनवाने का आश्वासन भी दिया है। प्रतिमा का उद्घाटन 4 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में डिप्टी सीएम अजित पवार ने पहले ही महाराष्ट्र की जनता से माफी मांग ली थी। अजित पवार की एनसीपी ने राज्य में मौन विरोध प्रदर्शन किया है। इस अवसर पर अजित ने कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पॉक्सो एक्ट के तहत पीड़िता को बयान के लिए बार-बार कोर्ट नहीं बुलाया जाए

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पॉक्सो एक्ट के तहत सेक्सुअल ऑफेंस की पीड़िता को बयान के लिए बार-बार कोर्ट नहीं बुलाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा है कि इस एक्ट का उद्देश्य इससे प्रभावित होगा। जो बच्चा सेक्सुअल ऑफेंस जैसी घटना के ट्रॉमा से गुजरा है, तब बार-बार उसी घटना के बारे में बयान के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की उस अर्जी को खारिज किया, जिसमें आरोपी ने पॉक्सो एक्ट की पीड़िता को जिरह के लिए कोर्ट में बुलाए जाने की गुहार लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धुलिया की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि एक बार आरोपी (बचाव पक्ष) को पीड़िता से जिरह के लिए पर्याप्त मौका दिया गया है। मौजूदा मामले में पीड़िता के साथ काफी लंबी जिरह की जा चुकी है और यह जिरह दो बार हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पॉक्सो एक्ट की धारा-33 (5) के मुताबिक स्पेशल कोर्ट की ड्यूटी है कि वह इस बात को सुनिश्चित करे कि चाइल्ड विक्टिम को कोर्ट के लिए बार-बार ना बुलाया जाए।

यह मामला ओडिशा का है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो का केस दर्ज है। आरोपी के खिलाफ उड़ीसा के नयागढ़ जिले में स्थित स्पेशल कोर्ट में केस चल रहा है। उसके खिलाफ रेप और पॉक्सो से संबंधित धाराओं के तहत मामला पेंडिंग है।

पुलिस के मुताबिक, 30 अगस्त 2020 को याचिकाकर्ता ने पीड़ित लड़की का अपहरण किया। घटना के वक्त लड़की नाबालिग थी। फिर वह पीड़िता को गांव ले गया और आरोपी ने गांव के मंदिर में लड़की से शादी की। शादी के बाद लड़की को शहर ले गया। करीब 7-8 दिन वह लड़की के साथ रहा, तभी पीड़िता के साथ जबरन संबंध बनाए। बाद में 18 नवंबर 2020 को लड़की को वहां से बचाया गया। इसके बाद उसका मैजिस्ट्रेट के साने बयान दर्ज हुआ और मेडिकल कराया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर जूडो अवतार में दिखे राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का जूडो अवतार सामने आया है। इसमें राहुल गांधी मार्शल आर्ट के गुर सीखते और एक्शन करते दिख रहे है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने जूडो के गुर सीखते हुए वीडियो शेयर किया है। वीडियो में पहले मार्शल आर्ट की तकनीक को समझाते दिख रहे, इतना ही नहीं वे फिर अपने विरोधी को चारों खाने चित करने भी नजर आए। राहुल गांधी ने अपने वीडियो के जरिए देशवासियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं भी दी है।

राहुल गांधी ने बताया कि आखिर ये वीडियो कब और कैसे बनाया गया। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमारे कैंप में जुजुत्सु का अभ्यास हमारे दिनचर्या का हिस्सा बन गया था। इस मेंटरियल आर्ट की कला के जरिए हमने युवाओं को ध्यान, अहिंसा, आत्मरक्षा और उनकी शक्ति समझाने की कोशिश की। युवाओं के बीच ये जेंटल आर्ट आसानी से एक संवेदनापूर्ण और सुरक्षित समाज का साधन बन सकते हैं।

राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट के द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। कांग्रेस सांसद पहले भी कई मौकों पर बता चुके हैं कि उन्हें जापानी मार्शल आर्ट आइकीडो बेहद पसंद है। वे अक्सर ही आइकीडो का नियमित अभ्यास करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कैंप में भी वे सीखते नजर आए। राष्ट्रीय खेल दिवस पर राहुल गांधी ने मार्शल आर्ट सीखते और जूडो के दांव-पेंच बताते वीडियो शेयर किया है। उनके वीडियो शेयर किए जाने के एक महज 11 मिनट में इस वीडियो को 61 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। लगातार लोग उनके वीडियो को देख रहे।

पुरुलिया कांड का मुख्य आरोपी नील होल्क अब कभी भारत नहीं आएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पुरुलिया कांड का मुख्य आरोपी नील होल्क अब कभी भारत नहीं आएगा। डेनमार्क की अदालत ने उसके प्रत्यर्पण की भारत सरकार की अपील नामंजूर कर दी है। किम डेवी के नाम से मशहूर इस शख्स ने आज से 30 साल पहले पश्चिम बंगाल के खेतों में 4 टन हथियार गिराकर सनसनी मचा दी थी। सुबह जब गांव वाले खेतों की ओर गए, तो देखकर कांप उठे। उन्होंने एक साथ इतने हथियार कभी नहीं देखे थे। किम डेवी ने हथियार गिराने की बात कबूल की, लेकिन डेनमार्क की अदालत ने उसे भारत भेजने से इनकार कर दिया है।

देश में तेजी से बढ़ रही छात्रों की आत्महत्याओं की घटनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में स्टूडेंट्स की आत्महत्या का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीबीआर) के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में स्टूडेंट्स ने सबसे ज्यादा आत्महत्या की। राजस्थान का कोटा आत्महत्या के मामलों में हमेशा चर्चा में रहता है, लेकिन इस रिपोर्ट में वह 10वें स्थान पर है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि जहां देश में कुल आत्महत्या के केस में सालाना 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं छात्र आत्महत्या के मामलों में यह वृद्धि 4 प्रतिशत से ज्यादा है। ये हालात तब हैं जब स्टूडेंट्स की आत्महत्या की पुलिस में रिपोर्ट कम दर्ज कराई जाती है।

रिपोर्ट में कहा गया है, पिछले दो दशकों में छात्र आत्महत्याएं 4 प्रतिशत की चिंताजनक वार्षिक दर से बढ़ी हैं, जो राष्ट्रीय औसत से दोगुनी हैं। 2022 में कुल स्टूडेंट्स की आत्महत्याओं में पुरुष छात्रों की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी। 2021 और 2022 के बीच छात्र आत्महत्याओं में 6 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि छात्राओं की आत्महत्या में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्टूडेंट्स की आत्महत्या की घटनाएं जनसंख्या वृद्धि दर और कुल आत्महत्या ट्रेंड, दोनों को पार कर रही हैं। पिछले दशक में 0-24 वर्ष के बच्चों की आबादी 582 मिलियन से घटकर 581 मिलियन हो गई, जबकि स्टूडेंट्स आत्महत्या की संख्या 6,654 से बढ़ कर 13,044 तक हो गई है।

अरे बाप रे...अगले 48 से 72 घंटे में इजराइल पर हमला कर सकता है ईरान

तेहरान (ईएमएस)। तेहरान में हमास के चीफ इस्माइल हानिया की मौत के बाद से ही ईरान की तरफ से जवाबी कार्रवाई की बातें सामने आती रही है। लेकिन कहा जा रहा है कि अगले 48 से 72 घंटे में कुछ बड़ा हो सकता है। इजरायल पर ईरान कभी भी हमला कर सकता है। व्हाइट हाउस के सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन कर्बी ने ये दावा किया है। हमले की स्थिति में इजरायल के साथ अमेरिका खड़ा है। किर्बी ने कहा कि अमेरिका किसी भी ईरानी हमले में इजराइल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

किर्बी ने बताया कि हमले की संभावना की भविष्यवाणी करना कठिन है, लेकिन व्हाइट हाउस ईरानी बयानों को गंभीरता से लेता है। ईरान को हमारा संदेश सतत है, और सतत रहेगा। एक, ऐसा मत करो। अमेरिका ने अरब देशों को ईरान के मंसूबों के बारे में जानकारी देकर बताया कि अगले 48-72 घंटे में कुछ बड़ा हो सकता है और ईरान की तरफ से इजरायल पर हमला किया जा सकता है।

इजराइल ने वेस्ट बैंक में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया जिसमें करीब नौ फलस्तीनियों की मौत हुई और सेना ने संवेदनशील जेनिन शहर को घेर लिया है। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगभग हर दिन वेस्ट बैंक पर हमले किए हैं। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने कहा कि ''बड़ी संख्या में सैनिक'' संवेदनशील जेनिन शहर में घुसे जो लंबे समय से आतंकवादियों का गढ़ रहा है। साथ ही सैनिक तुल्कारिम शहर और अल-फारा रिफ्यूजी कैम्प में भी घुसे। उन्होंने बताया कि इस दौरान मारे गए सभी नौ लोग आतंकवादी थे।

कंगना ने कहा - धमकियों से डरूंगी नहीं, लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ले जाने के लिए तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी के लिए उनको मिल रही रेप की धमकियों के बारे में खुलासा किया और कहा कि इस तरह की धमकी से उनकी आवाज को दबाया नहीं जा सकता। कंगना की यह प्रतिक्रिया पंजाब के पूर्व सांसद और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रमुख सिमरनजीत सिंह मान की बलात्कार संबंधी टिप्पणी के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि अभिनेत्री को बलात्कार का बहुत अनुभव है।

कंगना ने कहा कि वह अपनी फिल्म की रिलीज के लिए सभी विरोध और दबाव का सामना करने के लिए तैयार हैं, वह डरेंगी नहीं।

फिल्म की रिलीज में हो रही देरी पर उन्होंने बताया कि कुछ लोगों की आशंकाओं और असुरक्षाओं के कारण उनकी फिल्म 'मुश्किलों में फंस गई थी। हालांकि, वह इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ले जाने के लिए तैयार थीं।

डीके शिवकुमार को हाई कोर्ट से राहत,आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच जारी रखने की दो याचिका खारिज

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच जारी रखने की मांग करने वाली सीबीआई सहित दो याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

इस मामले में एक याचिका सीबीआई और दूसरी याचिका भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने दायर की थी। हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआई आय से अधिक संपत्ति के मामले में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की जांच को जारी नहीं रख सकती है, क्योंकि राज्य ने पहले ही सीबीआई से अपने अधिकार क्षेत्र में काम करने की अनुमति वापस ले ली थी।

सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट जाने की छूट दी गई है, लेकिन फिलहाल वह उपमुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच नहीं कर सकती है। अब यह मामला लोकायुक्त को दिया गया है। शिवकुमार अवैध संपत्ति मामले की जांच में सहयोग करने के लिए पिछले सप्ताह लोकायुक्त पैनल के समक्ष पेश हुए थे। इस मामले में उन्हें समन किया गया था।

येदियुरप्पा सरकार ने दिया था जांच का आदेश

इस मामले में राज्य सरकार ने सीबीआई जांच के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा पारित एक पुराने आदेश को वापस ले लिया था, जिसे अदालत में सीबीआई और भाजपा विधायक ने चुनौती दी थी।

पिछले साल नवंबर में कांग्रेस सरकार ने सीबीआई की जांच के लिए सहमति वापस ले ली थी, जो सितंबर 2020 में शुरू हुई थी। सीबीआई का दावा है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 तक आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की थी जब वह उस वक्त कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। माना जा रहा है कि यह रकम 74 करोड़ रुपये है।

जन हितैषी

ममता की लड़ाई पर भाजपा की सारथी बनी राष्ट्रपति मुर्मू?

भारत की राजनीति में पहली बार राजनीतिक दलों की लड़ाई में राष्ट्रपति की भूमिका से सभी हैरान हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में घटना के 20 दिन बाद एक बयान जारी किया है। इस बयान में राष्ट्रपति ने कहा है, कोलकाता की घटना से वह बहुत निराश और डरी हुई हैं। अब बहुत हो चुका है, समाज को ऐसी घटनाओं को भूलने की खराब आदत को बदलना होगा। जिस घटना का राष्ट्रपति महोदया ने जिक्र किया है, उस तरह की घटनाएं भारत के विभिन्न राज्यों में हर दिन घट रही हैं। 1 साल से अधिक समय हो गया है, मणिपुर में कोलकाता से भी ज्यादा बड़ी वीभत्स घटनाएं हुईं थीं। घटनाएं अभी भी हो रही हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के बदलापुर में भी छोटी-छोटी बच्चियों का यौन उत्पीड़न हुआ। जब पुलिस ने घटना की रिपोर्ट नहीं लिखी और कार्यवाही नहीं की। ऐसी स्थिति में लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ा। ऐसे कई मौके आए, पर राष्ट्रपति का कोई बयान कभी नहीं आया। कोलकाता की इस घटना के बाद बंगाल भाजपा ने कोलकाता में तब सड़क पर मोर्चा खोला, जब सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ज़ब इस मामले की निगरानी कर रहे हैं। बंगाल के राज्यपाल सतत हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस घटना के बाद जो राजनीति पश्चिम बंगाल में हो रही है। वह भाजपा की पश्चिम बंगाल में अंतिम लड़ाई जैसी दिख रही है। कभी डॉक्टरों के पीछे छिपकर, कभी जनता के पीछे छिपकर, भारतीय जनता पार्टी अपनी हार का बदला लेने का हर संभव प्रयास कर रही है। पिछले 10 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में दो लोकसभा और दो विधानसभा के चुनाव मे पराजय का सामना करना पड़ा है। एक अकेली महिला ममता बनर्जी जिस तरह से भाजपा से अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं, वह देश में दिल्ली के अलावा अन्य राज्य में देखने को नहीं मिला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बाद भी इस्तीफा नहीं दिया। अभी भी वह केंद्र सरकार और भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं। दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकारें, भाजपा के लिए कड़ी चुनौती हैं। कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई घटना से भाजपा को ऐसा लगा कि ममता बनर्जी के खिलाफ पर्याप्त दबाव बनाकर इस्तीफा लिया जा सकता है। वह इस्तीफा नहीं देंगी, तो इस बहाने पश्चिम बंगाल की सरकार को केंद्र बर्खास्त कर इस लड़ाई को जीत लेगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जिनके ऊपर खुद एक महिला ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। वह भी दिल्ली जाकर गृहमंत्री और राष्ट्रपति से मिल चुके हैं। राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की सड़कों पर आंदोलन को जन नाराजी का प्रतीक बताकर बांग्लादेश का उल्लेख करते हुए कुर्सी छोड़ने की मांग कर दी। ममता बनर्जी पर इसका कोई असर नहीं हुआ। उल्टे वह आक्रामक तरीके से केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ सड़क पर उतरकर हत्यारे के लिए फांसी की मांग कर रही हैं। सीबीआई की जांच करने के बाद तथा एक हफ्ते से ज्यादा समय होने के बाद ममता बनर्जी के सर से जैसे बिच्छू उतर गया है। वही बिच्छू अब भाजपा के ऊपर है। ममता बनर्जी अब सीबीआई और केंद्र सरकार से जवाब मांग रही हैं। ऐसे समय पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह कहना गलत मानसिकता वाले लोग महिलाओं को अपने से कम समझते हैं, उन्होंने कहा कि निर्भया कांड के 12 सालों में रेप की अनगनित घटनाओं को समाज ने भुला दिया है। समाज की भूलने की सामूहिक आदत घृणित है। राष्ट्रपति ने यह भी कह डाला, इतिहास का सामना करने से डरने वाला समाज, इस तरह की घटनाओं में भूलने का सहारा लेता है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला खिलाड़ियों के साथ यौन अपराध के मामले में जिस तरह से केंद्र सरकार इतनी चुप्पी साध रखी थी। आरोपी को पाक्सो की गिरफ्तारी से बचाया गया था। महिला खिलाड़ियों के साथ दिल्ली पुलिस ने क्या बर्बरता की थी। उस समय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की चुप्पी से लोगों में निराशा थी। राजनीतिक लड़ाई में कभी राष्ट्रपति की भूमिका इस तरह से देखने को नहीं मिली। जो अब मिली है। पहली बार देश में राष्ट्रपति पद को लेकर, यह कहा जाने लगा है। पिछले 10 वर्षों से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। कई राज्यों में 15-20 वर्षों से भाजपा की राज्य सरकारें हैं। डबल इंजन की सरकारों के होते हुए राज्यों में यौन उत्पीड़न, रेप और हत्या की घटनाएं महिलाओं के साथ बढ़ रही हैं। 1 साल पहले मणिपुर की घटनायें, ना भूतो और ना भविष्यति की तरह थी। जहां पर महिलाओं को नग्न करके घुमाया गया था। सार्वजनिक रूप से उनके गुप्तांगो से छेड़छाड़ की गई थी। आज भी 70000 से ज्यादा लोग शरणार्थी शिवरों में रह रहे हैं। उनमें हजारों महिलाएं और बच्चे हैं। वहां के मुख्यमंत्री से अभी तक इस्तीफा नहीं लिया गया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने तब कोई चिंता व्यक्त नहीं की। महाराष्ट्र में हाल ही में तीन से चार साल की बच्चियों के साथ शिक्षण संस्थान में जो यौन उत्पीड़न हुआ है, उसके बारे में उन्होंने कोई चिंता व्यक्त नहीं की। ना ही उन्हें कोई डर उत्पन्न हुआ। एकाएक कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर रेप-मर्डर मामले ने उन्हें उद्वेलित कर दिया है। सारे देश में कोलकाता की घटना को लेकर आंदोलन हुए। सारा देश इस तरह की घटनाओं से आंदोलित है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को महिला सम्मान और महिला सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी। दोषियों को जल्द दंड मिले, इस पर अपनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने कोलकाता रेप-मर्डर पर निराश और डरी हुई खुद को बताया है। उनका यह कहना कि बस बहुत हो गया। राष्ट्रपति के इस बयान की बड़ी तीखी प्रतिक्रिया देशभर में हो रही है। पिछले एक सप्ताह के अंदर जिस तरह से इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा द्वारा ममता बनर्जी पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया है। घटना के बाद से लगातार आंदोलन किये जा रहे हैं। कहा जाने लगा है, भारतीय जनता पार्टी, ममता बनर्जी के खिलाफ लड़ाई में अब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को मैदान में उतार दिया है। राष्ट्रपति के इस बयान से राष्ट्रपति पद की सर्वोच्चता विवादों में आ गई है। भारत में दिल्ली और पश्चिम बंगाल दो ही ऐसे राज्य हैं, जिन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार के दबाव में आने के स्थान पर अपनी लड़ाई खुलकर लड़ी है। जेल जाने से भी उन्होंने परहेज नहीं किया है। दिल्ली और पश्चिम बंगाल की जनता ने चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी और टीएमसी के पक्ष में समर्थन देकर बार-बार उनकी सरकार बनाई है। देश मे अब यह धारणा बनने लगी है। जिन राज्यों में भाजपा चुनाव नहीं जीत पाती है। उन्हें अस्थिर करने के लिए निर्वाचित विधायकों का दल बदल कराके, जांच एजेंसियों का सहारा लेकर, भाजपा अपनी सरकार बनाती है। पश्चिम बंगाल में जब यह खेला सफल नहीं हुआ। अब पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को बर्खास्त करने का केंद्र सरकार अंतिम हथियार आजमाने का मंसूबा बना रही है। इस लड़ाई में राष्ट्रपति को ब्रह्मास्त्र के रूप में भाजपा द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में चिंता का कारण है।

देश में नैतिक पतन जारी है: इसे कैसे रोका जाए?

पश्चिम बंगाल और केरल सांस्कृतिक दृष्टि से देश के सर्वोपरि राज्य हैं। दोनों राज्यों को देश के महान संस्कृतकर्मियों ने योगदान दिया है। बंगाल में रवीन्द्रनाथ टैगोर, मदर टेरेसा, सुभाषचन्द्र बोस, ज्योति बसु, आदि शामिल हैं। अनेक कवि, सत्यजीत रे समेत अनेक फिल्मकर्मियों ने जन्म लिया है, ऐसे महान राज्य में एक महिला डाक्टर के साथ जो कुछ हुआ वह बंगाल के चेहरे पर कालिख है। इस महिला डाक्टर के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया वरन् उसकी हत्या भी की गई। घटना के बाद जो तथ्य सामने आ रहे हैं उनसे लगता है कि वह अनेक गुप्त बातों की जानकार थी जो मेडिकल प्रोफेशन में नहीं होना थी। वह इन बातों को उजागर करे उसके पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

केरल देश का संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि क्षेत्रों में देश का ही नहीं वरन् दुनिया में भी सर्वोपरि है। अभी हाल में जाहिर किए गए आंकड़े से पता लगा है कि एक लाख में से 19 माताएँ या तो बच्चे के जन्म देने के तुरंत बाद या गर्भावस्था के दौरान मर जाती हैं। यह आँकड़ा अमरीका से भी आगे है। उसके विपरीत उत्तरप्रदेश में 1 लाख में से 167, मध्यप्रदेश में 173 असम में 195 महिलाएँ मृत्यु को प्राप्त होती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 100 प्रतिशत आबादी शिक्षित हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इसी तरह पूरे देश में वह सर्वोच्च शिखर पर है। ऐसे प्रदेश में वहां के फिल्म जगत में काम करने वाली महिलाओं ने अपने साथ दुष्कर्म की शिकायत की। उनकी शिकायत के चलते वहां की सरकार ने एक अवकाश प्राप्त हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। इस आयोग ने वहां की सुप्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत को सुना और यह आयोग इस नतीजे पर पहुंचा कि वहां की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों की शिकायत सही है। इस आयोग की रिपोर्ट 2019 में मुख्यमंत्री को भेजी गई। परंतु किन्हीं कारणों से मुख्यमंत्री ने इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इस बीच उन पर दबाव बढ़ता रहा और इस माह में रिपोर्ट सार्वजनिक की गई। रिपोर्ट सार्वजनिक करने में इतनी देर क्यों हुई इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकार के स्पष्टीकरण दिये हैं जिनमें एक स्पष्टीकरण के अनुसार उनका कहना था कि देरी के लिए आयोग के अध्यक्ष ने स्वयं रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने का सुझाव दिया था।

कारण जो भी हो परंतु मलियालम में बनी फिल्में अद्भुत समझी जाती हैं। इन फिल्मों को बनाने में जिन अभिनेत्रियों का योगदान रहता है उनके साथ इस तरह का व्यवहार केरल को शर्मसार करने वाली घटना है।

हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारतवर्ष शीघ्र ही विश्वगुरू बनेगा। परंतु जो विश्वगुरू बनने वाला है उसके 150 सांसदों एवं विधायकों के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इन मामलों में कुछ दुष्कर्म के भी मामले हैं। जिस देश के 150 जनप्रतिनिधि अपराधों में शामिल हों वह कैसे विश्वगुरू बन पायेगा।

हमारे देश में इस समय महिलाओं के साथ दुष्कर्म और अनेक अपराधों की खबरें आ रही हैं। महाराष्ट्र में अभी हाल में जो घटना हुई उसकी तो कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। एक स्कूल की 4 साल की दो बच्चियों के साथ उसी स्कूल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने दुष्कर्म किया। उसी महाराष्ट्र में कुछ दिनों बाद एक 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की खबर सामने आई। असम में भी टयूशन से घर वापिस आ रही एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। इसके विरोध में असम में पूरे राज्य में प्रदर्शन हुए। परंतु इस घटना को लेकर वहां के मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया जाहिर की वह चैंकाने वाली है। इस बच्ची के साथ अपराध करने वाला व्यक्ति अल्पसंख्यक पाया गया। इस बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में यहां के मूल निवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। शायद उनका किसकी ओर है यह वही बता सकते हैं।

समाज में आए दिन सभी रिश्तों को तोड़ते हुए घटनाएं हो रही हैं। एक समाचार के अनुसार एक पत्नी ने अपने बेटे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या में तकिये का उपयोग किया गया। हत्या इसलिए की गई क्योंकि अपने पति की इस दूसरी पत्नि की निगाह अपने पति के रिटायर होने पर मिली भारी रकम पर नज़र थी। उसको डर था कि उसका पति उनकी पहली पत्नि की संतानों को रकम का भारी हिस्सा दे देंगे। ऐसी स्थिति पैदा हो इसके पहले ही उसने अपने पति की हत्या कर दी। जिस पत्नि ने हत्या की वह स्वयं अपने पहले पति को तलाक देकर दूसरी शादी की थी।

एक और मामले में एक पति ने अपनी पत्नि की हत्या करके स्वयं थाने को सूचित कर दिया कि उसने अपनी पत्नि की हत्या की है। कारण उसे अपनी पत्नि के चरित्र पर संदेह था। इस तरह की घटनाएँ आएदिन हो रही हैं। पति-पत्नि का रिश्ता अत्यधिक विश्वास का रिश्ता होता है। परंतु उसमें भी कभी भी खटाई पड़ जाती है और हत्या के समान जघन्य अपराध हो जाते हैं। एक अखबार में खबर छपी है कि कुछ लोग महिलाओं के या बच्चियों के साथ दुष्कर्म का वीडियो बनाते हैं और फिर उस वीडियो को भारी कीमत पर बेचते हैं। इस अखबार के अनुसार यह एक बड़ा धंधा हो गया है। इसलिए इस तरह की खबरे पढ़ने को मिलती हैं कि महिला या बच्ची अपने को दुष्कर्म से मुक्त करने के लिए अपील करती हैं परंतु उसे बचाने के स्थान पर लोग उसका वीडियो बनाने में लगे रहते हैं। इस तरह की घटनाएं ही इस बात का सबूत है कि इंसान की संवेदनशीलता को क्या हो गया है? हम लाखों की संख्या में प्रवचन सुनने जाते हैं परंतु उस प्रवचन से हमारी आत्मा पर क्या असर हुआ यह ज्ञात नहीं होता है।

अभी हाल में महाराष्ट्र में एक हिन्दू संत ने इस्लाम के पैगंबर के खिलाफ अपमानजनक बातें की। उसकी प्रतिक्रिया में मध्यप्रदेश के छतरपुर नाम के स्थान पर मुसलमानों ने रोष प्रकट किया। थाने का घेराव किया और पुलिसकर्मियों को घायल किया। इस घटना के विरोध में पुलिस और प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की। कार्यवाही के फलस्वरूप एक धनी मुस्लिम के मकान को नेस्तनाबूद कर दिया गया। न सिर्फ मकान को नेस्तनाबूद किया बल्कि जो वाहन वहां थे उनको भी तोड़ डाला। क्या वाहन भी प्रदर्शन में शामिल थे? फिर मकान को नेस्तनाबूद करने के पहले इस बात की भी जानकारी नहीं ली गई उसकी कानूनी स्थिति क्या है। यह भी बताया गया कि इस विशाल मकान के भीतर जो मूल्यवान वस्तुएं थीं जैसे गहने, टीवी, फ्रिज उनका क्या हुआ। यदि मकान गैरकानूनी था तो जब वह बन रहा था तब उसका निर्माण क्यों नहीं रोका गया। इस तरह की घटनाएं मध्यप्रदेश के और स्थानों पर भी हुई हैं और उत्तरप्रदेश में तो बड़े पैमाने पर हो रही हैं।

ऐसी घटनाओं के बारे में क्या रवैया अपनाया जाए यह कहना मुश्किल है क्योंकि उसके पीछे बड़े-बड़े प्रभावशाली व्यक्तियों का हाथ है ऐसा आरोप लगाया जाता है। कुल मिलाकर समाज में चाहे महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो या अन्य अपराध हों लगभग कानून अपने हाथ में लिया जा रहा है। इनको रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? यह एक विचारणीय प्रश्न है?

इस समय बुलडोजर ऐसे मकान पर भी चला दिया जाता है जिसमें रहने वाले परिवार के केवल एक सदस्य ने अपराध किया हो। एक व्यक्ति द्वारा किए गए अपराध की सज़ा पूरे परिवार को क्यों दी जाती है? फिर हमारे देश के कानून के अनुसार अपराधी को सज़ा देने का अधिकार न्यायपालिका का है न कि पुलिस का। परन्तु आये दिन बुलडोजर चलाकर सज़ा पुलिस वाले दे रहे हैं जो सरासर गैरकानूनी है।

(लेखक- एल.एस. हरदेनिया/ईएमएस)

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को ऐसे राष्ट्रीय महत्व के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषतः राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फिर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है।

रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई ''रिश्वत'' छू नहीं सके, जिसको कोई ''सिफारिश'' प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन मूर्तियों, पुलों, निर्माण कार्यों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा।

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

आपदा के ज़ख्म : समेज त्रासदी एक दुखान्त

बेहरम आपदा समेज गाँव के लोगों को बहुत ही गहरे व अमिट जख्म दे गई 31जुलाई की मनहूस रात ने समेज गाँव को तहस नहस कर दिया जख्म नासूर बन गए हैं जो ताउम्र नहीं भर सकते ऐसी त्रासदी में खोये अपनों की याद पल पल आती रहेगी चंद सेकेण्ड में अपनों को छीन लिया समेज गाँव का नामोनिशान मिट गया केवल मात्र दो घर बचे हैं आशियाने बह गए। 23 लोग अभी लापता हैं प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन बंद कर दिया है 13 अभागों की क्षत विक्षत लाशें ही मिल सकी हैं। बरसात का सैलाब 23 लोगों को पता नहीं कहाँ बहाकर ले गया ऐसी त्रासदी बहुत ही खौफनाक थी जो समेज गाँव के लिए काल बनकर आई और तबाही का ऐसा मंजर किया की सब कुछ छीन लिया। छोटे छोटे बच्चे भी बह गए नहंने फूल मुरझा गए। समेज गाँव के लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की यह बेरहम बरसात इतना गहरा दर्द देगी जो ताउम्र सहना पड़ेगा। सर्च ऑपरेशन काफ़ी दिनों तक चलता रहा। समेज गाँव श्मशान बन गया गाँव के 36 लोगों का काल का ग्रास बन जाना बहुत ही दुख़द है आत्मा सिहर उठती है। समेज गाँव स्वर्ग था कुदरत ने नरक बना दिया। प्रकृति की गोद में बसा समेज गाँव में कभी खुशियों से गुलजार था बच्चों की किलकारियां गूंजती थी लेकिन अब सुनसान व वीरान हो चूका गाँव मलबे मे तब्दील हो चूका है अब वीरान बन चूका है। अपने बिछड़ चुके हैं समेज गाँव का नामोनिशान मिट चूका है मकान जमीदोज हो चुके हैं चारों तरफ मलबा बिखरा हुआ है चारों तरफ चीत्कार मचा हुआ है लोग बदहवास हैं गाँव गमगीन है हर आँख नम है,अपनों का गम है अपनों को खो चुके लोगों की आँखे पथरा गई हैं समेज गाँव के लोग जुलाई की स्याह रात कभी नहीं भूल पाएंगे ऐसी रात सदियों तक याद रहेगी बच्चे छीन लिए माँ बाप छीन लिए बेकसूर लोगों को चंद सेकेण्ड में सुला दिया ताउम्र अपनों की याद आती रहेगी आत्मा सिंहर उठती है गाँव के लोगों का एक साथ काल का ग्रास बन जाना बहुत बड़ी त्रासदी है रोंगटे खड़े हो जाते है कैसे यह प्रलय हुआ होगा आसूंओं का सैलाब निर्बाध बह रहा है असहनीय व दर्दनाक पीड़ा से जूझ रहे हैं, आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं भूखे प्यासे लोग अपनों को ढूंढ रहे हैं रो -रो कर आँखो का पानी सूख चूका है आँखों में सूजन हो गई है दिन रात एक आशा है की क़ब उनके अपने मिल जाएँ जो मलबे में दफन हो चुके हैं मीलों दूर बह चुके हैं एक एक दिन युग लग रहा है। तबाही का ऐसा मंजर लाशों का अंबार लगा गया सैलाब में बह चुके लोगों के शव मिल रहे हैं जो क्षत विक्षत हो चुके हैं। प्रकृति ने तबाही की ऐसी इबारत लिखी है की सब कुछ तबाह हो गया जीवन पटरी से उत्तर गया है। कुदरत ने ऐसा मंजर दिखाया है की उबरने मे कई साल लग जायेंगे पल भर मे आँखो के सामने सब कुछ बह गया। कुदरत ने जरा भी रहम नहीं किया बेरहम हो गई और गाँव का हर आँगन सूना कर दिया,गाँव की गलियों को वीरान कर दिया पूरे गाँव को श्मशान बना दिया है किसी की नहीं बक्शा बच्चों से लेकर बुजुर्गो व महिलाओं को पल भर मे मौत की नींद सुला दिया। कुदरत ने ऐसी लीला रची है की आने वाली सात पीढ़ीयां भी नहीं भूल सकती। त्रासदी में घर के चिराग बुझ गए माताओं व बहनों के सुहाग उजड़ गए बहनों ने अपने भाई खो दिए हैं। कुदरत अब बहुत हीं तांडव कर रही है और लाशों का अंबार लगा रही है। प्रशासन दिन रात सर्च ऑपरेशन कर रहा था। जान जोखिम में डाल कर सुरक्षा टीमें शवों को खोज रही थी जब तक समेज गाँव के सभी लोग नहीं मिल जाते तब तक ऑपरेशन जारी रखना चाहिए हर आदमी अपनी भूमिका निभा रहा है सामाजिक संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। कुछ शव मिल चुके हैं शव मीलों दूर बह चुके हैं। कुदरत ने बहुत गहरे ज़ख्म दे दिए जिन्हे भरने में बहुत समय लगेगा। अपनों की याद ताउम्र सालती रहेगी। आपदा के ज़ख्म रिसते रहेंगे समेज त्रासदी एक दुखान्त बन गई ऐसे दुःख का अंत नहीं होगा ताउम्र याद आती रहेगी। दुखों का यह अंतहीन सिलसिला जीवन भर सहना पड़ेगा।

(लेखक- नरेंद्र भारती / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8113

बाएँ से दाएँ

1. धनुर्धर-2,2
4. तरुणी,नाजनीन-4
7. संतुष्ट होना-5
9. टेलीग्राम-2
11. महोदय (अंग्रेजी-2)
12. कटि,कमरिया-3
14. फटकार,भर्त्सना-4
15. वतन,स्वेदश-4
16. पार होना,पार करना-3
18. विद्रोही-2
19. गरीब,निर्धन-2
21. लोचदार,लचकदार-5
25. पारंपरिक,पुरातन-4
26. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1. शीघ्रता,जल्दी-3
2. मूल्य,कीमत-2
3. जनता,आम आदमी-2
4. किनारा,कोरा-2
5. इंकार,मनाही-2
6. पानी गर्म करने का यंत्र-3
8. भ्रम,वहम-3
10. साधू,संन्यासी-3,2
11. मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12. कपड़े की दीवार-3
13. जिव्हा,जीभ-3
17. रसदार,रसभरा-3
18. कारण,वजह-3
20. नेत्र,लोचन-3
21. बुरी आदत-2
22. एक पड़ोसी देश-2
23. पराया,पंख-3
24. रग,नाड़ी-2

शब्द पहेली -8112 का हल

खेल - समाचार

बारबोरा अमेरिकी ओपन से बाहर हुई, एलेना और गाफ तीसरे दौर में पहुंचीं

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। चेक गणराज्य की विम्बलडन चैम्पियन रहीं बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। बारबोरा को महिला एकल के कड़े मुकाबले में एलेना गैब्रियेला रूसे ने 4-6, 5-7 से हरा दिया। एलेना का मुकबाला अब पाउला बाडोसा से होगा। बाडोसा ने एक अन्य मैच में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-3, 7-5 से हराया। । वहीं महिला वर्ग में गत चैम्पियन कोको गाफ ने टी मारिया को 6-4, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया है। अब उनका सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

दूसरी ओर पुरुष एकल में फ्रांसिस टियाफो को अलेक्जेंडर शेवचेंको के बीच में ही मैच छोड़ देने से अगले दौर में प्रवेश मिल गया। एक अन्य मैच में बेन शेल्टन ने रॉबर्टो बतिस्ता एगुट को 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। अब उनका सामना टियाफो से होगा।

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने मातेओ बेरेतिनी को 6-3, 7-6 और 6-1 से हराया। एक अन्य मुकाबले में ब्रेंडन नाकाशिमा ने आर्थर काजाक्स को हराया और अब उनका सामना 18वीं वरीयता प्राप्त लोजेंजो मुसेत्ती से होगा। जिरि लेहेका ने मिचेल क्रूगर को 6-7, 0-6, 6-4, 6-4, 7-5 से हराया। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा जिन्होंने आर्थर रिंडरनेश को 4-6, 5-7, 6-1, 6-2, 6-2 से हराया।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज गेब्रियल ने क्रिकेट से संन्यास लिया

जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शैनन गेब्रियल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 36 साल के हो रहे गैब्रियल ने सोशल मीडिया में अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय तक मैंने वेस्टइंडीज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। अपने इस पसंदीदा खेल से मुझ खुशी के साथ ही जिंदगी में सब कुछ मिला है पर जैसा कि कहा जाता है, सभी अच्छी चीजों का एक दिन अंत होना तय है। इसी को देखते हुए आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेता हूं।

साथ ही कहा कि राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का अवसर देने के लिए मैं क्रिकेट बोर्ड ओर भगवान का आभारी हूं। इसके साथ ही मैं क्रिकेट वेस्टइंडीज के प्रशासकों, कोचों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। कई वर्षों से आपकी कड़ी मेहनत और सहयोग लिए मेरे मन में जो विचार हैं उन्हें शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। अंत में मैं अपने साथियों और उन सभी का आभारी हूं जो मेरे साथ खड़े रहे और मेरा समर्थन करते रहे हैं। मेरी योजना अपने देश क्लब और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी टीमों का उसी प्यार और जुनून के साथ प्रतिनिधित्व करना जारी रखने की है जो मैंने अपने पूरे करियर में किया है। गेब्रियल की गति और गेंदों में उछाल को देखते हुए उनकी तुलना दिग्गज पूर्व तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श से भी होती रही है।

अवनि,अंतिल सहित भारत को इन खिलाड़ियों से रहेगी पदकों की उम्मीद

पेरिस (ईएमएस)। यहां पैरालिंपिक खेल 2024 की शुरूआत हो गयी है। इसमें भारत के भी 84 पैरा खिलाड़ी पदक लिए उतरेंगे। भारतीय खिलाड़ी इस बार तीन नए खेलों, पैरा साइक्लिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी उतरेंगे। इससे अब भारतीय खिलाड़ियों से 12 खेलों में पदक की उम्मीद रहेगी। निशाने बाजी में अवनि लेखारा, भाला फेंक में सुमित अंतिल के अलावा कई अन्य खिलाड़ी भी पदकों की दौड़ में शामिल हैं।

ये भारतीय खिलाड़ी हासिल कर सकते हैं पदक

निशानेबाजी : अवनि लेखारा

टोक्यो पैरालिंपिक की स्वर्ण विजेता अवनि लेखरा से भारत को पदक की उम्मीद रहेगी। अवनि ने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग में स्वर्ण और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीता था। साल 2024 में अवनि ने नई दिल्ली में पैरा निशानेबाजी विश्व कप में कांस्य पदक हासिल किया था।

भाला फेंक : सुमित अंतिल

पुरुषों की भाला फेंक एफ 64 श्रेणी में सुमित अंतिल से भारत को पदक की उम्मीद रहेगी। अंतिल ने पिछले पैरालिंपिक खेलों में 73.29 मीटर थ्रो फेंक स्वर्ण हासिल किया था। वहीं साल2024 विश्व पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में उन्होंने 69.50 मीटर की थ्रो के साथ ही स्वर्ण पदक पर कब्जा किया था।

ऊंची कूद : मरियप्पन थंगावेलु,

मरियप्पन थंगावेलु ने साल 2016 रियो पैरालिंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी-42 में स्वर्ण हासिल किया था। उन्होंने 2020 टोक्यो पैरालिंपिक में टी42/टी63 श्रेणी में दूसरे स्थान के साथ ही रजत पर कब्जा किया था। उन्हांने 2019 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कांस्य हासिल किया था।

डिस्कस थ्रोअर : योगेश कथूनिया

योगेश कथूनिया ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों की डिस्कस थ्रो स्पर्धा में एफ56 में रजत पदक अपने नाम किया था। उन्होंने 2018 में एफ 36 श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड बनाया और 2021 में अर्जुन पुरस्कार हासिल किया।

तीरंदाजी : शीतल देवी

अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियन शीतल देवी से भी भारत को पदकों की उम्मीद रहेगी। शीतल ने साल 2022 एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण पदक और एक रजत जीता था।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को बनाये रखने के पक्ष में हैं अश्विन

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जहां रोहित शर्मा सहित कई क्रिकेटर इम्पैक्ट प्लेयर नियम के खिलाफ हैं और इस नियम को हटाने की मांग कर चुके हैं। वहीं अनुभवी स्पिनर आर अश्विन इस नीयम के पक्ष में हैं जबकि रोहित ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को घातक बताया था। अश्विन ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि इम्पैक्ट प्लेयर खराब नियम है क्योंकि इससे रणनिति बनाने का अतिरिक्त अवसर मिलता है। ये लगता है कि इससे ऑलराउंडर्स के अवसर कम होते हैं पर वास्तव में ऐसा नहीं हैं। बेहतर ऑलराउंडरों की हमेशा ही टीम को जरुरत रहती है। '

इस स्पिनर ने कहा, 'इस पीढ़ी में वे ऐसा नहीं कर सकते। ऐसा नहीं है कि उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के चलते बाहर किया जा रहा है। युवा वेंकटेश अय्यर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे। वह आजकल काउंटीम में लंकाशर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कहा कि खेल में नये विचारों के लिए हमेशा जगह होती है और इससे वह बेहतर ही होता है।'

अश्विन ने कहा कि आईपीएल 2024 क्वालिफायर 2 में भी इम्पैक्ट प्लेयर ने खेल बदल दिया था। तब राजस्थान रॉयल्स ने 175 रन बनाने के बाद शाहबाज नदीम को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल किया। नदीम ने मैच में 3 विकेट लिए और अपनी टीम को जीत दिला दी। वहीं रोहित का मनाना है कि इस नियम के चलते ऑलराउंडर्स को अवसर नहीं मिल रहा। ऐसे में जब राष्ट्रीय टीम कहीं खेलने जाती है तो ऑलराउंडर्स उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाता हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर खिलाड़ी ही नहीं आईपीएल काउंसिल में भी मतभेद हैं और इसपर बहस की मांग की गयी है।

न्यूजीलैंड किकेट टीम के गेंदबाजी कोच बने ओराम , भारत दौरे में संभालेंगे जिम्मेदारी

वेलिंग्टन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड किकेट बोर्ड ने अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे को देखते हुए पूर्व ऑलराउंडर जैकब ओरम को क्रिकेट टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया है। ओराम सात अक्टूबर को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। ओरम ने कोच बनाये जाने पर खुश व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं टीम के साथ फिर से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'एक ऐसी टीम के साथ फिर से जुड़ना जिससे मैंने खेला है और वह मेरे जीवन का एक बड़ा हिस्सा रही है, वास्तव में सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, 'हाल ही में मुझे जो अवसर मिले हैं, उनसे मुझे इस बात का अंदाजा है कि यह टीम किसी ओर जा रही है और मैं आने वाले सत्रों में उस पर काम जारी रखने के लिए तैयार हूं। टीम की गेंदबाजी में नई प्रतिभाएं आ रही हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए तैयार कर सकूंगा।

ओरम के पास कोच के तौर पर लंबा अनुभवी है। उन्होंने वर्ष 2014 में न्यूजीलैंड ए के साथ अपने कोचिंग करियर की शुरुआत की और फिर 2018 से न्यूजीलैंड महिला टीम के साथ गेंदबाजी कोच के तौर पर काम किया। पिछली गर्मियों में वह सेंट्रल हिंड्स के मुख्य कोच थे और तब टीम सुपर स्मैश फाइनल में पहुंची थी। ओरम अबू धाबी टी-10 में सहायक कोच और एसए-20 में एमआई केप टाउन के गेंदबाजी कोच भी रहे हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 82,134 , निफ्टी 25,151 पर पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स के शेयर रिकॉर्ड उछाल के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 349.05 अंक ऊपर आकर 82,134.61 के स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.60 अंक उछलकर 25,151.95 अंक पर बंद हुआ।

आज इंट्रा डे कारोबार 500.27 अंक तकरीबन 0.61 फीसदी उछलकर 82,285.83 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी बढ़त रही। बेंचमार्क 140.55 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 25,192.90 के नए रिकॉर्ड इंट्रा-डे स्तर पर पहुंच गया था। वहीं व्यापक बाजार की बाते करें तो आज 2,531 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप में 0.27फीसदी और स्मॉलकैप में 0.7फीसदी की गिरावट रही। इससे बाजार पूंजीकरण में 31,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है । इससे मार्केट कैप 462.72 लाख करोड़ रुपये रहा।

आज कारोबार के दौरान

सेंसेक्स पर टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक बढ़े । टाटा ग्रुप के शेयरों में आज 4.19 फीसदी की बढ़त दर्ज की और 1119.65 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, बजाजा फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, आईटीसी, रिलायंस, टेक महिंद्रा जैसे शेयर भी बढ़त पर बंद हुए।

वहीं सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके शेयर 1.11 फीदसी की गिरावट के साथ ही 2766 रुपये पर बंद हुए। इसके बाद जेएसडब्ल्यू स्टील, सनफार्मा, कोटक बैंक, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, अल्ट्राटेक और एशियन पेंट्स के शेयल भी तेजी पर बंद हुए।

दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों में आज वॉल स्ट्रीट में हुई गिरावट को देखते हुए कमजोरी आई। दक्षिण कोरियाई चिप दिग्गज एसके हाइनिक्स अपने खुले बाजार में 6 फीसदी गिरा, जबकि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 3 फीसदी से अधिक गिर गया, जिससे कोस्पी 1.3 फीसदी नीचे आ गया। स्मॉल-कैप कोस्डैक 0.55 फीसदी गिर गया। जापान का निक्की 225 0.56 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स 0.14 फीसदी नीचे था। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.47 फीसदी नीचे था। वहीं यूरोपीय बाजार में भी बढ़त रही जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार नीचे आये थे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गुरुवार को कमजोर रही। बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 लाल रंग में खुले। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.08 फीसदी नीचे 81,717 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 0.11 फीसदी नीचे 25,023 पर खुला।

पूछताछ के बाद टेलीग्राम ऐप के सीईओ को किया रिहा

पेरिस(ईएमएस)। टेलीग्राम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पावेल डुरोव को चार दिनों की पूछताछ के बाद पुलिस हिरासत से रिहा कर दिया। उन पर आरोप था कि इस मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।डुरोव को शनिवार शाम को अजरबैजान से फ्रांस उतरने के बाद पेरिस के बाहरी हिस्से में स्थित 'ले बोर्गेट' हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। उन्हें पिछले महीनेशुरू की गई न्यायिक जांच के तहत12कथितआपराधिकउल्लंघनों के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था। यह भी आरोप है कि टेलीग्राम ने कानून द्वारा अपेक्षित होने पर भी जांचकर्ताओं के साथ जानकारी या दस्तावेज साझा करने से इनकार कर दिया। फ्रांस में डुरोव की गिरफ्तारी से रूस में आक्रोश फैल गया है, कुछ सरकारी अधिकारियों ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया है तथकहा है कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पश्चिम के दोहरे मानदंड का प्रमाण है।

पेरिस में अभियोजक कार्यालय ने एक बयान में कहा, जांच करने वाले न्यायाधीश ने पावेल डुरोव की पुलिस हिरासत खत्म कर दी है और उन्हें पहली पेशी तथा संभावित अभियोग के लिए अदालत में लाया जाएगा। रूस में जन्मे और फ्रांसीसी नागरिक डुरोव के खिलाफ आरोपों में यह भी शामिल है कि उनके

जापान में तूफान शानशान का कहर.....3 की मौत, भारी बारिश

टोक्यो (ईएमएस)। दक्षिणी जापान में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ आए तूफान के कारण 3 लोगों की मौत हो गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि तूफान 'शानशान' ने सुबह दक्षिणी क्यूशू के सतसुमासेंदाई के पास दस्तक दी, जहां 24 घंटे में 60 सेमी. (23.6 इंच) तक बारिश होने के आसार हैं। मौसम एजेंसी ने बताया कि तूफान के कारण देश के अधिकतर हिस्सों, विशेषकर क्यूशू के दक्षिणी इलाकों में तेज हवाएं चलने, ऊंची लहरें उठने और भारी बारिश की संभावना है। इसके लिए सबसे ऊंचे स्तर की चेतावनी जारी की गई है।

जिन इलाकों में तूफान के लिए चेतावनी जारी की गई, वहां के लोगों से सामुदायिक केंद्रों और अन्य जन शेल्टरों में शरण लेने की अपील की गई है। तूफान'शानशान' क्यूशू के दक्षिणी द्वीप के आसपास सक्रिय रहा। यह 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है और 144 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार हवा चल रही है। शहर के आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, तूफान की दस्तक से पहले भारी बारिश के कारण भूस्खलन की घटना हुई। इससे गामागोरी में एक मकान ढह गया। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मौसम विभाग और प्रशासनिक अधिकारी बड़े स्तर पर नुकसान को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि तूफान अगले कुछ दिनों में धीरे-धीरे जापानी द्वीपसमूह को अपनी चपेट में ले लेगा। इसके कारण बाढ़ और भूस्खलन का भी खतरा है। आपदा प्रबंधन मंत्री योशिफुमी मत्सुमुरा ने कहा कि तूफान के कारण तेज हवाओं के चलने, ऊंची लहरें उठने और भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण-पश्चिमी शहरों और द्वीपों को जोड़ने वाली सैकड़ों घरेलू उड़ानें गुरुवार को रद्द कर दी गईं और बुलेट ट्रेन तथा उप नगरीय रेलसेवाओं को भी रोकना पड़ा।

कनाडा से 3,50,00 से ज्यादा छात्रों की वापसी?

-टूड़ो सरकार की नीतियों से भारतीय छात्र संकट में

ओटावा (ईएमएस)। वर्तमान में 70000 से अधिक छात्र कनाडा से निर्वासित किए जा सकते हैं। इसमें भारतीय छात्रों की संख्या लगभग 35000 है। कनाडा सरकार की नई नीतियों के कारण यह स्थिति निर्मित हो रही है।

नई सरकार ने स्टडी परमिट को सीमित करने की नीति तैयार की है। परमानेंट रेजिडेंसी नॉमिनेशन की संख्या को भी सीमित कर दिया है। ब्रिटेन की सरकार ने अस्थाई श्रमिकों की संख्या में कटौती की है। विदेशी कामगारों की हिस्सेदारी को कम किया है।

सरकार की नई नीति के कारण यदि स्टडी परमिट इस साल के अंत में समाप्त होगा। इसके बाद भारतीय छात्रों को स्वदेश वापस आना पड़ेगा। उन्हें ब्रिटेन में रहने की अनुमति नहीं होगी। टूडो सरकार के इस निर्णय के खिलाफ कनाडा में छात्रों के विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कनाडा की सरकार ने माइग्रेशन नीति को बदल दिया है। जिसके कारण बहुत सारी परेशानी भारतीयों के लिए खड़ी होने जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया में भी बदलाव

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने विदेशी छात्रों की संख्या पर लगाम लगाने का निर्णय लिया है। 2025 तक अंतरराष्ट्रीय छात्र नामांकन सीमा 270000 की संख्या तक सीमित रखने का निर्णय सरकार ने लिया है। पिछले वर्ष ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए 548800 संख्या निर्धारित थी। उसे घटाकर आधा कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा मंत्री जेसन क्लेयर ने कहा है,कोरोना के दौरान यह संख्या बढ़ाई गई थी। अब सामान्य स्थिति है, जिसके कारण संख्या आधी कर दी गई है।

अमेरिकी चुनाव से पहले एनएसए सुलिवन का चीन दौरा क्यों हो रही चर्चा

बीजिंग (ईएमएस)। अमेरिका और चीन ने सैन्य-से-सैन्य संपर्क का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहयोग पर दूसरे दौर की वार्ता आयोजित करने का वादा किया है। ये समझौते अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी के बीच बीजिंग में 28 अगस्त को समाप्त हुई दो दिवसीय वार्ता में किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के दौरान, दोनों पक्ष उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान बनाए रखने पर सहमत हुए और नशीली दवाओं के नियंत्रण, कानून प्रवर्तन, जलवायु परिवर्तन और अवैध प्रवासियों के प्रत्यावर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने का वादा किया।

बता दें कि सुलिवन की यात्रा मई 2023 के बाद से दोनों नेताओं के बीच हुई ऐसी रणनीतिक वार्ता में से चौथी थी। पहली बार वे वियना में शीर्ष-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकों की श्रृंखला की पहली श्रृंखला के लिए आधार तैयार करने के लिए मिले थे, जिससे बहाली में मदद मिली। द्विपक्षीय संबंधों में स्थिरता का एक निश्चित उपाय।

हालाँकि, कई मामलों को लेकर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव ने इस तरह की बातचीत के सार्थक परिणामों में बाधा उत्पन्न की है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में यह चीन की उनकी पहली यात्रा थी जिसका उद्देश्य संघर्ष से बचने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना था। इस यात्रा के दौरान उन्होंने चीन के विदेश मंत्री और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष विदेश नीति अधिकारी वांग यी के साथ भी मुलाकात की। उनकी गुरुवार को जनरल झांग यूक्सिया के साथ बैठक हुई, जो 'सेंट्रल मिलिट्री कमीशन' के दो उपाध्यक्षों में से एक हैं।

यह एक ऐसा संगठन है जिसके प्रमुख शी हैं। किसी अमेरिकी अधिकारी के साथ इस प्रकार की बैठक होना आम नहीं है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दोनों पक्ष जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति बदलने से पहले संबंधों को समान स्तर पर बनाए रखना चाहते हैं।

झांग ने सुलिवन से कहा कि मुझसे मिलने का आपका अनुरोध यह दर्शाता है कि आप सैन्य सुरक्षा और हमारी सेनाओं के बीच संबंधों को कितना महत्व देते हैं। सुलिवन और झांग की वार्ता के बाद व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने ''पिछले 10 महीनों में निरंतर एवं नियमित आपसी सैन्य संचार में प्रगति को पहचाना है और उन्होंने निकट भविष्य में कमांडरों के बीच टेलीफोन पर बातचीत के लिए बुधवार को घोषित समझौते का जिक्र किया।

रुस ने जेलेंस्की के प्लान को बताया बकवास, अमेरिका को लगा झटका

-क्रेमलिन ने कहा- यूक्रेन के खिलाफ 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' जारी रहेगा

मास्को,(ईएमएस)। रुस-यूक्रेन को लड़ते हुए ढाई साल हो गए हैं दोनों ही देशों को भारी नुकसान हुआ है लेकिन दोनों ही समझौता करने को तैयार नहीं हो रहे हैं। एक दूसरे की शर्ते मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं दुनिया इस जंग खत्म कराने की कोशिश में जुटी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहते हैं कि बातचीत से युद्ध का अंत हो लेकिन हकीकत यह है कि अभी यह जंग लंबी चलेगी। जेलेंस्की के पास भले ही युद्ध खत्म करने का प्लान हो, लेकिन उसके प्लान को रूस बर्बाद करने पर तुला है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के युद्ध खत्म करने के प्लान को क्रेमलिन ने बकवास बताया है। पुतिन ने साफ कह दिया है कि रूस यह लड़ाई अभी जारी रखेगा। बता दें फरवरी 2022 से ही रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। रूस ने अब जब जेलेंस्की के प्लान को बकवास बताकर खारिज कर दिया है। ऐसे में यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका है। जेलेंस्की ने कहा था कि रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए उनके पास एक प्लान है. यह प्लान वह जो बाइडन, कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप से शेयर करने वाले थे। अब पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की युद्ध खत्म करने का जो प्लान बना रहे हैं, वह बकवास है। रूस यूक्रेन में अपने 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' को जारी रखेगा। ये पहली बार नहीं है, जब हमने कीव सरकार की ओर से ऐसे बयान सुने हैं। हम यूक्रेन सरकार के इस रवैये से वाकिफ हैं। हम अपना स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं और अपने सभी लक्ष्यों को हासिल करेंगे।

दरअसल जेलेंस्की अपनी शर्तो पर रूस को झुकाकर बातचीत के जरिए युद्ध खत्म करना चाहते हैं। जेलेंस्की के प्लान का मुख्य मकसद रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए मजबूर करना है। जेलेंस्की

मुंकेश अंबानी का करोड़ों शेयरधारकों को एक पर एक ऑफर

मुंबई (ईएमएस)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 5 सितंबर को होने वाली बैठक में 1:1 बोनस शेयर इश्यू के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तब रिलायंस के शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर के बदले एक अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेगा।

यह कदम कंपनी के शेयरधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है, इससे शेयरधारकों को सीधे लाभ प्राप्त होगा। बोनस इश्यू आमतौर पर कंपनियों द्वारा शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। रिलायंस ने अपनी इस महत्वपूर्ण योजना की जानकारी स्टॉक एक्सचेंजों को दी है, जिससे निवेशकों और बाजार में हलचल पैदा हो गई है।

बोनस शेयर कंपनी द्वारा अपने मौजूदा शेयरधारकों को दिए जाने वाले अतिरिक्त शेयर होते हैं। ये शेयर कंपनी के लाभांश के रूप में नहीं दिए जाते हैं, बल्कि कंपनी के रिजर्व से दिए जाते हैं। जब कोई कंपनी बोनस शेयर जारी करती है, तब इसके मौजूदा शेयरों की संख्या बढ़ती है, लेकिन कंपनी की कुल संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होता है।

जब किसी कंपनी का शेयर मूल्य बहुत अधिक हो जाता है, तब शेयर को छोटे निवेशकों के लिए खरीदना मुश्किल हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी शेयर की कीमत को कम कर सकती है, जिससे यह अधिक लोगों के लिए सुलभ हो जाता है। बोनस शेयर जारी करके कंपनी अपने शेयरधारकों को खुश कर सकती है और उनके विश्वास को बढ़ा सकती है।

फिर चढ़े सोने-चांदी के वायदा भाव

- सोने का भाव 71,900 रुपए, चांदी 84,400 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में बुधवार को आई गिरावट के बाद गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में गुरुवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 137 रुपये की तेजी के साथ 71,880 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 171 रुपये की तेजी के साथ 71,914 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 422 रुपये की तेजी के साथ 84,399 रुपये पर खुला। इस समय यह 425 रुपये की तेजी के साथ 84,402 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ, जबकि चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद चढ़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,539.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,537.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,549.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.11 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.20 डॉलर था। इस समय यह 0.23 डॉलर की तेजी के साथ 29.43 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पाकिस्तान में अगवा सैन्य अधिकारियों का अब तक पता नहीं

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में इन दिनों आतंकियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने अब सीधे सेना के अफसरों को ही अपना निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान से एक और सैनिक अफसर फहाद आमिर को भी किडनैप किया गया है। खबरों के मुताबिक इसके पहले आतंकियों ने सेना में काम करने वाले 3 भाइयों का एक साथ अपहरण किया था। खबरों के मुताबिक एक सेवारत सैन्य अधिकारी और उसके दो भाइयों का उनके पैतृक स्थान डेरा इस्माइल खान से अपहरण कर लिया गया था। इन अगवा सैन्य अधिकारियों के संबंध में पुलिस भी कोई जानकारी नहीं दे पा रही है।

ये सभी भाई अपने दिवंगत पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अपने गृहनगर में गए थे। फातिहा की नमाज के ठीक बाद उनका अपहरण किया गया। सूत्रों ने डेरा इस्माइल खान में दो सैन्य अधिकारियों और उनके तीसरे भाई के अपहरण की पुष्टि की है। जो एक सरकारी कर्मचारी भी है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी ने अपहरण की जिम्मेदारी ली है। लेकिन स्थानीय पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई।

गौरतलब है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके दो सह योगी समूहों के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा खुफियासूचना के आधार पर चलाए गए बड़े अभियान में एक टॉप आतंकवादी कमांडर सहित 25 आतंकवादी मारे गए थे,

भुखमरी से बेहाल पाकिस्तान,फिर भी सेना को 20 अरब डॉलर दिए गए

- सेना के लिए इतनी बड़ी रकम पास होने पर पा?किस्तान सरकार पर खड़े हो रहे हैं सवाल

बलूचिस्तान (ईएमएस)। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने उग्रवादियों से निपटने के लिए सेना को 20 अरब डॉलर दिए जाने की मंजूरी दी है। उनके इस पैसले को पाकिस्तान की कैबिनेट से भी मंजूरी मिल गई है। कैबिनेट से सेना के लिए इतनी बड़ी रकम पास होने पर सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जहां एक तरफ पाकिस्तान की जनता लगातार भुखमरी और महंगाई झेल रही है, वहीं दूसरी ओर उसकी सेना आतंक का डर दिखाकर मालामाल हो रही है। वहीं बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने 2 दिन पहले किए गए ऑपरेशन से पहले अपने नौ फिदायीन की फोटो जारी की थी।

इस फोटो में एक महिला समेत 8 पुरुष शामिल है। इसमें 20 से 25 साल की उम्र के बीच के युवक हैं। इनमें ज्यादातर ने साल 2021 और 2022 में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ज्वाइन की थी। बीएलए ने दावा किया कि उसके दस्ते ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर कहर बरपाया है। इसमें 126 सुरक्षा कर्मियों की जान गई है और 55 लोग घायल हुए हैं। बीएलए का कहना है कि ऐसे ऑपरेशन आगे भी जारी रहेंगे।

हाल के दिनों में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और पाकिस्तानी सेना पर कहर बनकर बरसी है। 26 अगस्त को बीएलए ने सेना को निशाना बनाकर हमला किया था, जिसमें अब तक 102 पाक आर्मी के जवानों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना और विद्रोहियों में काफी लंबे समय से लड़ाई चलती आ रही है, लेकिन यह पहली बार था, जब सेना को इतना बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। सेना ने विद्रोहियों से निपटने के मजबूत तैयारी में जुट गई है।

पाकिस्तानी सेना से हरी झंडी मिलने के बाद अब बलूचिस्तान में बड़े सरकारी संस्थानों और सुरक्षा मुख्यालय पर तोपें लगाई जा रही है। साथ ही कई लड़ाकू हेलीकॉप्टर भी सुरक्षा में तैनात किए जा रहे हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री और पाकिस्तान के सुरक्षा मंत्री ने ताज हालातों पर बात करने के लिए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया गया कि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी फिलहाल स्थानीय प्रशासन पर भारी पड़ रही है। उसके लड़ाके जगह-जगह अपनी चेक पोस्ट भी बना रहे हैं।

सरकारी टेलिकॉम कंपनी ने नहीं चुकाया लोन, बैंक ने किए खाते बंद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सरकारी टेलिकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) बुरे दौर से गुजर रही है वह कर्ज में डूब गई है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने बकाया भुगतान नहीं करने पर एमटीएनएल के सभी खातों पर रोक लगा दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कंपनी को लोन नहीं चुकाने पर सभी खाते बंद कर दिए हैं यह जानकारी 21 अगस्त को दी गई थी।

कंपनी ने कहा कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 21 अगस्त के पत्र के जरिये एमटीएनएल को बताया कि उसका खाता एनपीए में डाल दिया गया है। इस वजह से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारे सभी खाते अपने-आप ही फ्रीज हो गए। इससे पहले जुलाई में एमटीएनएल के शेयरों ने जबरदस्त तेजी आई थी। महज 42 रुपए से चढ़कर इसका भाव 101 रुपए पर पहुंच गया यानी एक महीने में पैसा दोगुना से ज्यादा हो गया था लेकिन 29 जुलाई के बाद एमटीएनएल के शेयरों में लगातार गिरावट आती गई और अब यह 60 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है।

एमटीएनएल ने इन बैंकों से कुल 5,573.52 करोड़ रुपए का लोन ले रखा था। घाटे में चल रही दूरसंचार कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कुल 7,873.52 करोड़ रुपए उधार लिए हैं और कंपनी का कुल ऋण 31,944.51 करोड़ रुपए है। अगस्त की शुरुआत में एमटीएनएल ने शेयर बाजार को बताया था कि उसने 422.05 करोड़ रुपए के बैंक कर्ज भुगतान में चूक की है। एमटीएनएल द्वारा साझा किए गए विवरण के मुताबिक, उसने लिए गए कर्जों पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 155.76 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक को 140.37 करोड़ रुपए, बैंक ऑफ इंडिया को 40.33 करोड़ रुपए, पंजाब एंड सिंध बैंक को 40.01 करोड़, पंजाब नेशनल बैंक को 41.54 करोड़ और यूको बैंक को 4.04 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं किया है।

जमात-ए-इस्लामी की नसीहतः भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ संबंधों का समर्थन करते हैं लेकिन....

ढाका(ईएमएस)। जमात-ए-इस्लामी के अमीर (प्रमुख) रहमान का कहना है कि हमें भारत विरोधी मानने की नई दिल्ली की धारणा गलत है। उन्होंने कहा, जमात-ए-इस्लामी किसी देश के खिलाफ नहीं है, यह एक गलत धारणा है। हम बांग्लादेश के समर्थक हैं और केवल बांग्लादेश के हितों की रक्षा करने में रुचि रखते हैं। उन्होंने जोर दिया कि इस धारणा को बदलने की जरूरत है। रहमान ने साथ एक साक्षात्कार में कहा कि उनकी पार्टी भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ संबंधों का समर्थन करती है, लेकिन यह भी मानती है कि बांग्लादेश को अतीत को पीछे छोड़कर अमेरिका, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के साथ मजबूत और संतुलित संबंध बनाए रखना चाहिए।

जमात-ए-इस्लामी ने सुझाव दिया कि बेहतर होता यदि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अशांति के कारण इस्तीफा देने के बाद भारत नहीं भागतीं। उन्होंने कानून का सामना करने के लिए उनके बांग्लादेश लौटने की वकालत की। उन्होंने कहा, भारत हमारा पड़ोसी है और हम अच्छे, स्थिर और सामंजस्यपूर्ण द्विपक्षीय संबंध चाहते हैं। हालांकि, भारत ने अतीत में कुछ ऐसे काम किए हैं जो बांग्लादेश के लोगों को पसंद नहीं आए।उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए, 2014 के बांग्लादेश चुनावों के दौरान, एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने ढाका का दौरा किया और निर्देश दिया कि किसे भाग लेना चाहिए और किसे नहीं। यह अस्वीकार्य था, क्योंकि यह पड़ोसी देश की भूमिका नहीं है। हमारा मानना है कि भारत अंततः बांग्लादेश के संबंध में अपनी विदेश नीति का पुनर्मूल्यांकन करेगा। हमारा मानना है कि एक-दूसरे के आंतरिक मुद्दों में हस्तक्षेप से बचना चाहिए।

बांग्लादेश में जमात कार्यकर्ताओं द्वारा हिंदुओं पर हमले के आरोपों से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते हुए रहमान ने इन्हें निराधार बताते हुए इनका खंडन किया। रहमान ने जमात-ए-इस्लामी के नकारात्मक चित्रण के लिए दुर्भावनापूर्ण मीडिया अभियान को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पिछले 15 वर्षों में शेख हसीना सरकार द्वारा किए गए अत्याचारों का सबसे ज्यादा शिकार होने के बावजूद, हम अब भी डटे हैं और जमात को अब भी लोगों का समर्थन प्राप्त है।रहमान ने कहा कि जमात-ए-इस्लामी चाहती है कि भारत उसका मित्र बने और द्विपक्षीय संबंधों में जिम्मेदार भूमिका निभाए, साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि उनकी पार्टी संबंधों को बेहतर बनाने की अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करती है, लेकिन चाहती है कि ये संबंध एक-दूसरे के आंतरिक मुद्दों में हस्तक्षेप न करने वाले होने चाहिए।

इजराइल ने किया संयुक्त राष्ट्र टीम पर हमला, बाल-बाल बचे कार्यकर्ता

-डब्ल्यूएफपी ने कहा- इजराइल सेना का यह कदम अस्वीकार्य

गाजा,(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र के बख्तरबंद वाहन में सवार दो कार्यकर्ता गाजा में इजरायली हमले में बाल-बाल बचे गए। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इजराइल पर आरोप लगाया कि राहत सामग्री ले जा रहे संयुक्त राष्ट्र के वाहन पर इजराइल की आईडीएफ सेना ने हमला कर दिया। वाहन के फ्रंट विंडोज को निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने कहा कि डब्ल्यूएफपी टीम पर गोलीबारी के बाद वह अगली सूचना तक गाजा में अपने कर्मचारियों की आवाजाही को रोक रहा है। यह घटना वाडी गाजा पुल पर एक इजरायली चेकपॉइंट से कुछ मीटर की दूरी पर हुई जब यूएन की टीम गाजा में राहत सामाग्री ले जाने वाले ट्रकों के एक काफिले को एस्कॉर्ट करने के बाद दो बख्तरबंद वाहनों में केरेम शालोम/करम अबू सलेम के एक मिशन से लौट रही थी।

यूएन की खाद्य एजेंसी ने कहा कि चेकपॉइंट तक पहुंचने के लिए इजरायली अधिकारियों से मंजूरी मिलने के बाद जब वाहन चेकपॉइंट की ओर बढ़ रहा था तो उस पर सीधे हमला किया गया। कार पर गोलियां बरसाई गईं। डब्ल्यूएफपी ने सफेद एसयूवी वाहन के की तस्वीर जारी की है, जिस पर बड़े काले अक्षरों में यूएन लिखा है और ड्राइवर और बाएं यात्री की बुलेट-प्रूफ खिड़कियों पर गोलियों के निशान दिखाए गए हैं। जो इजराइली सेना की गोली बारी के हैं।

डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि इजराइल का कदम पूरी तरह से अस्वीकार्य है और उन अनावश्यक घटनाओं में से एक है जिसने गाजा में डब्ल्यूएफपी की टीम की जिंदगी खतरे में डाल दी है। जैसा कि बीते मंगलवार रात की घटनाओं से पता चलता है, वर्तमान विघटन प्रणाली विफल हो रही है और यह अब और नहीं चल सकता। मैं इजरायली अधिकारियों और संघर्ष के सभी पक्षों से सभी सहायता कर्मियों की सुरक्षा देने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का आह्वान करता हूं।

सेबी, एनएसई और बीएसई पर 80 लाख का जुर्माना

- डिमैट खाते गलत तरीके से फ्रीज करने पर कोर्ट की कार्रवाई

मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सेबी (सेबी), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई पर डिमैट खाते गलत तरीके से फ्रीज करने पर 80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। दरअसल उन्होंने एक मुंबई के निवासी और उनके विदेश में रहने वाले बेटे के डीमैट खातों को गलती से प्रमोटर मानकर गलत तरीके से फ्रीज कर दिया था। यह मामला खास है क्योंकि कोर्ट या ट्रिब्यूनल द्वारा रेगुलेटर पर जुर्माना लगाने के मामले बहुत ही कम होते हैं। सेबी ने 2017 में श्रेणुज एंड कंपनी के खिलाफ नियमों के उल्लंघन के आरोप में आदेश जारी किया था, जिसके बाद प्रदीप मेहता और उनके बेटे नील मेहता के डिमैट खाते फ्रीज कर दिए गए थे। प्रदीप मेहता और नील मेहता ने इस आदेश के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने अदालत में बताया कि वे कंपनी के संचालन में कभी भी शामिल नहीं थे और न ही प्रबंधन में उनकी कोई भूमिका रही है, यहां तक कि सलाहकार के तौर पर भी वे कंपनी में शामिल नहीं रहे।

इस मामले में नील मेहता के ससुर श्रेणुज एंड कंपनी के मुख्य प्रमोटर थे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता किसी भी प्रकार से श्रेणुज से जुड़े नहीं थे, न ही प्रमोटर के रूप में और न ही किसी अन्य क्षमता में। इसलिए उन्हें श्रेणुज के किसी भी दोष के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता और उनके डिमैट खाते फ्रीज करने का कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने सेबी के आदेश को अवैध और असंवैधानिक घोषित करते हुए मेहता और उनके बेटे को उनके डिमैट खातों में रखे सभी शेयरों का लेन-देन करने की अनुमति दे दी। अदालत ने सेबी और एक्सचेंजों, एनएसई और बीएसई, को निर्देश दिया कि वे बेटे को 50 लाख रुपये और पिता को 30 लाख रुपये की राशि दो सप्ताह के भीतर भुगतान करें।

डिजिटल भुगतान करने से डरते हैं.....ग्रामीण कारोबारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के टाइप -3 मेट्रो शहर से लेकर छोटे कस्बों में 40 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ता दैनिक आधार पर डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल करते हैं, जबकि 45 प्रतिशत लोग दो दिन में एक बार इसका इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया हैं कि देश के तीसरी से लेकर छठी श्रेणी के शहरों में उपभोक्ताओं द्वारा डिजिटल भुगतान के लगातार उपयोग को दिखाया गया है। इतना ही नहीं रिपोर्ट में डिजिटल भुगतान सेवाओं को अपनाने में कारोबारियों और उपभोक्ताओं के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के बारे में बताया गया है।

रिपोर्ट बताती है कि ग्रामीण भारत में डिजिटल भुगतान का उपयोग नहीं करने वाले लगभग आधे कारोबारियों को इस सेवा की जानकारी नहीं हैं। इसके उलट डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल नहीं करने वाले उपभोक्ताओं में से 94 प्रतिशत इससे परिचित होने के बावजूद इसका उपयोग नहीं करते हैं। दरअसल, इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी, सीमित ज्ञान, ऑनलाइन भुगतान में अविश्वास और सेवा-संबंधी समस्याओं के चलते उपभोक्ता डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल नहीं करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार करीब 41 प्रतिशत कारोबारियों को अपनी बिक्री का 25 प्रतिशत से कम डिजिटल भुगतान के माध्यम से मिलता है, जबकि करीब 15 प्रतिशत कारोबारियों को बिक्री का 50 प्रतिशत से अधिक डिजिटल भुगतान के माध्यम से मिलता है।

रिपोर्ट कुल 2,240 उत्तरदाताओं के बीच कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में आठ राज्यों को लेकर 16 जिलों में फैले 1,184 उपभोक्ता और 1,056 कारोबारियों की राय ली गई।

विजिटर वीजा पर आए लोगों को वर्क परमिट नहीं देगी कनाडा सरकार

टोरंटो,(ईएमएस)। कई बार कनाडा घूमने आए लोग यही वर्क परमिट लेकर काम करने लगते थे। अब इस पर कनाडा सरकार ने बड़ा फैसला लिया है और अब विजिटर वीजा पर आए लोगों को वर्क परमिट नहीं मिलेगा। यह नया फैसला 28 अगस्त से प्रभावी हो गया है। इससे पहले, विजिटर या टूरिस्ट वीजा पर आने वाले लोग कनाडा में रहते हुए वर्क परमिट प्राप्त कर सकते थे, लेकिन अब यह सुविधा बंद कर दी गई है। इस निर्णय से उन लोगों पर प्रभाव पड़ेगा जो विजिटर वीजा के तहत कनाडा में आकर काम करने की योजना बना रहे थे। अब उन्हें अपने देश से वर्क परमिट के लिए आवेदन करना होगा।

यह विशेष सुविधा कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू की गई थी, ताकि देश में कामगारों की कमी को पूरा किया जा सके। उस समय, कनाडा सरकार ने विजिटर वीजा पर आए लोगों को वर्क परमिट की अनुमति दी थी, जिससे उन्हें वहां नौकरी करने का अवसर मिला था। अब, नए फैसले के तहत, विजिटर वीजा पर आने वाले लोगों को वर्क परमिट प्राप्त करने के लिए अपने देश वापस जाना होगा और वहां से आवेदन करना होगा। इस कदम से कनाडा में काम करने के इच्छुक लोगों पर प्रभाव पड़ेगा, जो इस सुविधा का लाभ उठा रहे थे।

कनाडा के नियोक्ताओं को भी संभावित प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि उन्हें नए वर्क परमिट नियमों के अनुसार कर्मचारियों को लाना होगा। इससे पहले नीति के तहत, विजिटर कनाडा छोड़े बिना वर्क परमिट के लिए आवेदन कर सकते थे। इसके अलावा, जिनके पास पिछले 12 महीनों में वर्क परमिट था। प्रारंभ में, नीति 28 फरवरी, 2025को समाप्त होने वाली थी। हालांकि, आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) का कहना है कि यह अब नीति को समाप्त कर रहा है क्योंकि कनाडा में अस्थायी निवासियों की संख्या को पुनः व्यवस्थित करने के हमारे समग्र प्रयासों का हिस्सा है और आप्रवासन प्रणाली की अखंडता को बनाए रखें।'' विभाग का कहना है कि 28 अगस्त से पहले नीति के तहत जमा किए गए आवेदनों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

खगोलविदों ने की बड़ी खोजः ब्रह्मांड में सूर्य से भी लाखों गुना चमकीला मिला क्वासर

कैनबरा (ईएमएस)। खगोलविदों ने ब्रह्मांड में अब तक देखी गई सबसे चमकीली वस्तु की खोज की है। यह नया खोजा गया क्वासर न केवल चमक में रिकॉर्ड तोड़ रहा है, बल्कि तेज़ी से बढ़ भी रहा है, जो आकाशगंगा में सबसे चमकीले क्वासरों की विशेषता है। अध्ययन में कहा गया है कि जे 0529-4351 नामक यह क्वासर प्रतिदिन एक सूर्य के बराबर दर से बढ़ रहा है और सूर्य से 500 ट्रिलियन गुना ज़्यादा चमकीला है। मुख्य शोधकर्ता ने क्वासर का वर्णन करते हुए कहा कि यह एक संभवतः ब्रह्मांड का सबसे नरकीय स्थान है। उन्होंने इसके तेज गति सेचलने वाले बादलों, अत्यधिक तापमान और विशाल ब्रह्मांडीय बिजली के बोल्टों का हवाला दिया। इन कठोर परिस्थितियों के बावजूद, इस क्वासर द्वारा उत्सर्जित प्रकाश असाधारण है।

ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एएनयू) के खगोलशास्त्री और अध्ययन के प्रमुख लेखक क्रिश्चियन वुल्फ ने कहा कि हमने अब तक ज्ञात सबसे तेजी से बढ़ने वाले ब्लैक होल की खोज की है। इसका द्रव्यमान 17 अरब सूर्यों के बराबर है और यह प्रतिदिन एक सूर्य से थोड़ा अधिक प्रकाश ग्रहण करता है। यह इसे ज्ञात ब्रह्मांड में सबसे अधिक चमकीला पिंड बनाता है।बताया जा रहा है कि यह वस्तु सूर्य से भी ज्यादा चमकीला है। एक बयान में बताया गया कि यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला (ईएसओ) के बहुत बड़े टेलीस्कोप (वीएलटी) का उपयोग करते हुए, खगोलविदों ने एक क्वासर की पहचान की है जिसे अपनी तरह का सबसे चमकीला और अब तक देखी गई सबसे चमकदार वस्तु बताया गया है। क्वासर आकाशगंगाओं के अत्यंत चमकीला केंद्र बताया गया है। यह क्वासर अपने केंद्र में स्थित सुपरमैसिव ब्लैक होल द्वारा संचालित होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जब गैस और धूल इन ब्लैक होल में गिरती है, तो वे विद्युत चुम्बकीय विकिरण छोड़ते हैं, जिससे तीव्र प्रकाश उत्पन्न होता है।खगोलविदों का कहना है कि यह क्वासर पृथ्वी से इतना दूर है कि इसकी रोशनी को हम तक पहुंचने में 12 अरब साल से ज्यादा का समय लग गया है। पृथ्वी पर मौजूद पर्यवेक्षकों को क्वासर तारों जैसे दिखाई देते हैं। एएनयू के पीएचडी छात्र और सह-लेखक सैमुएल लाई ने कहा कि यह सारा प्रकाश एक गर्म अभिवृद्धि डिस्क से आता है जिसका व्यास सात प्रकाश वर्ष है।

गुजरात में चक्रवात की आशंका

गांधीनगर 29 अगस्त, 2024

डीप डिप्रेशन के कारण भारी बारिश जारी रहेगीः आज 29 अगस्त को दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र और कच्छ में 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है, जबकि 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है. मौसम विभाग के मुताबिक पिछले छह घंटों के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर गहरा दबाव लगभग एक ही स्थान पर बना हुआ है। कुछ दिन पहले बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव वेलमार्क निम्न दबाव में बदल गया है, जो अब निम्न दबाव के अवसाद में परिवर्तित होकर गुजरात की ओर बढ़ रहा है। गहरा अवसाद 30 अगस्त तक कमजोर होने के बजाय मजबूत होकर तूफान में तब्दील हो सकता है।

कल (28 अगस्त) 23:30 बजे, यह उसी क्षेत्र पर केंद्रित रहा, जो गुजरात में भुज से 50 किमी उत्तर-उत्तर-पश्चिम, नलिया से 100 किमी पूर्व-उत्तर-पूर्व और कराची, पाकिस्तान से 290 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व में है। . यह धीरे-धीरे सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र से होते हुए पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और आज 29 अगस्त को सौराष्ट्र और कच्छ तथा पाकिस्तान के तटीय इलाके तक पहुंच जाएगा। यह पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ता रहेगा और 30 अगस्त की सुबह तक कच्छ और आसपास के सौराष्ट्र और पाकिस्तान के तट से उत्तर-पूर्व अरब सागर में उभरेगा।

मौसम विभाग ने अपने अपडेट में कहा कि यह 30 अगस्त को भारतीय तट से दूर उत्तर-पूर्व-अरब सागर के ऊपर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, उत्तर-पूर्व अरब सागर में अपना टेढ़ा रूप दिखाएगा। गहरे दबाव के कारण आज 29 अगस्त को सौराष्ट्र और कच्छ के अधिकांश इलाकों में हल्की से मध्यम, कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. फिर 30 अगस्त को सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है.

मौसम विभाग ने अपने ताजा अपडेट में कहा कि आज 29 अगस्त को दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र और कच्छ जिलों में 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है जो बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती हैं. कच्छ में 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है, जबकि 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है.

वहीं 30 अगस्त के दौरान गुजरात के तट और पाकिस्तान के तट तथा पूर्व मध्य अरब सागर के उत्तर-पूर्व और आसपास के इलाकों में 55 से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवात चलने की आशंका है. . उत्तरी महाराष्ट्र तट और आसपास के तटीय क्षेत्रों में आज 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, जो 60 किमी प्रति घंटे तक तेज हो सकती हैं।

भारी बारिश के कारण गुजरात में 2 नेशनल और 66 स्टेट हाइवे समेत 914 रास्ते बंद

अहमदाबाद (ईएमएस) भारी बारिश और बाढ़ से गुजरात में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है भारी बारिश के कारण राज्य में 2 नेशनल हाइवे और 66 स्टेट हाइवे समेट 914 रास्तों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई हैं गुजरात में पिछले कुछ दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की तीव्रता आज दक्षिण गुजरात, पूर्व-मध्य गुजरात और उत्तरी गुजरात में कम हो गई है। हांलाकि मौसम विभाग की ओर से अभी भी अगले दो दिनों तक कच्छ और सौराष्ट्र में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान देवभूमि द्वारका के भानवड और कच्छ के अबडासा तहसील में 11 इंच से ज्यादा बारिश हुई हैं वहीं पूरे देवभूमि द्वारका जिले में 24 घंटे में 10 इंच बारिश हुई हैं पिछले 24 घंटों में देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर तालुका में 10 इंच, खंभालिया और कच्छ के लखपत तहसील में 9 इंच से अधिक बारिश हुई है। इसके अलावा जामनगर के जामजोधपुर, देवभूमि द्वारका के द्वारका और कच्छ के नखत्राणा तालुका में 8 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। कच्छ के मांडवी में 7 इंच से ज्यादा, जामनगर के कालावड और लालपुर तालुका में 6 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई इसके अलावा, राजकोट के लोधिका, धोराजी और जामकंडोराना तहसील, पोरबंदर के कुतियाना और राणावाव और कच्छ के अंजार तहसील में 5 इंच तक बारिश हुई है। राजकोट जिले के राजकोट और जेतपुर, जामनगर तहसील, पोरबंदर तहसील और कच्छ के मुंद्रा तहसील में 4 इंच बारिश हुई है। स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में राज्य के 7 तहसीलों में 3 इंच से अधिक, 10 तालुकाओं में 2 इंच से अधिक, 36 तालुकाओं में एक इंच से अधिक और 163 तहसीलों में एक इंच से कम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में राज्य की 238 तहसीलों में औसतन एक इंच से अधिक बारिश हुई है। गुजरात में मानसून सीजन की अब तक 109 प्रतिशत बारिश दर्ज की गई है। इस वर्ष कच्छ अंचल में सबसे अधिक 154 प्रतिशत से अधिक वर्षा दर्ज की गई वहीं सौराष्ट्र क्षेत्र में 123 प्रतिशत से अधिक और दक्षिण गुजरात क्षेत्र में 110 प्रतिशत से अधिक वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा पूर्व-मध्य गुजरात में 104 प्रतिशत से अधिक बारिश हुई है, जबकि उत्तरी गुजरात में अब तक मानसून सीजन की कुल औसत वर्षा का 86 प्रतिशत दर्ज किया गया है। भारी बारिस और बाढ़ के कारण राज्य में 914 रास्ते बंद हैं जिसमें 2 नेशनल हाइवे, 66 स्टेट हाइवे, 758 पंचायत अधीनस्थ और अन्य 88 समेत कुल 914 रास्ते शामिल हैं

जिन ऋण योजनाओं में सरकार गारंटर है, बैंक उन लाभार्थियों को ऋण प्रदान करने में सहयोग करें

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में हुई राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 182वीं बैठक

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बैंकों से यह अनुरोध किया है कि वह छोटे व्यापारियों और किसानों सहित ऐसी ऋण सहायता योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण देने में तेजी लाएं, जिनमें सरकार गारंटर है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि पीएम स्वनिधि जैसी छोटे व्यापारियों और फेरीवालों को आत्मनिर्भर बनाने वाली ऋण सहायता और छोटे किसानों के लिए किसान क्रेडिट जैसी योजनाओं में भी सरकार गारंटर होती है, ऐसे में बैंकों को ऋण के सामने सिक्योरिटी की कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह बात गुरुवार को गांधीनगर में 182वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने बैंकरों को पशुधन के लिए और मछुआरों की क्रेडिट कार्ड की योजना में भी गति लाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतिम पायदान पर खड़े गरीब और साधारण लोगों को मुख्य धारा में लाने की मंशा के साथ जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, तब बैंकर्स ऐसी योजनाओं की सफलता में बेहतर योगदान दे सकते हैं। भूपेंद्र पटेल ने बैंकों से युवा उद्यमियों के स्टार्टअप को भी आसानी से और बड़ी संख्या में ऋण सहायता प्रदान करने की दिशा में विचार करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बन गया है।

अब, अमृत काल में गुजरात 'विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात' के दृष्टिकोण के साथ अग्रणी रहेगा। इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'अर्निंग वेल' और 'लिविंग वेल' यानी बेहतर कमाई और बेहतर जीवन के दो मुख्य आधार स्तंभों पर 2047 तक का एक विशिष्ट रोडमैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जब प्रत्येक व्यक्ति अर्थव्यवस्था के साथ जुड़कर आगे बढ़ेगा, तभी प्रधानमंत्री के 2047 में विकसित भारत के स्वप्न को साकार किया जा सकता है। उन्होंने यह अपेक्षा व्यक्त की कि बैंक भी विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात के निर्माण में सहयोग प्रदान करें और अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय समावेशन का लाभ दें।

इस अवसर पर मुख्य सचिव राज कुमार ने कहा कि 'विकसित भारत2047' के अंतर्गत हमनें 2047 तक गुजरात को 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत और गतिशील बनाने में फाइनेंशियल सिस्टम के योगदान में बैंकों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बनाने का विचार मंथन इस बैठक में हो। उन्होंने हाल में भारी बारिश और बाढ़ की आपदा से छोटे व्यापारियों आदि को तेजी से उबारने के लिए बैंकों से मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य के जिन क्षेत्रों में बैंकों का क्रेडिट रेश्यो कम है, उसे बढ़ाने के साथ ही आकांक्षी जिलों में लाभार्थी कवरेज को बढ़ाकर योजनागत लाभ प्रदान करने के लिए बैंकिंग सेवाओं को व्यापक बनाने का भी सुझाव दिया। मुख्य सचिव ने यह अपेक्षा जताई कि एसएलबीसी की बैठकों में योजनाओं की सर्वग्राही समीक्षा कर राज्य सरकार के सुझावों को भी लागू किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी छोटे और साधारण लोगों के लिए लाभदायी योजनाओं में वित्तीय समावेशन को और अधिक आगे बढ़ाने के लिए भी उपस्थिति बैंकरों को सुझाव दिया।

लालसिंह, चेयरमैन, एसएलबीसी और कार्यकारी निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा और श्रीमती निशा नांबियार, मुख्य महाप्रबंधक, वित्तीय समावेशन और विकास विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक केंद्रीय कार्यालय ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत कर राज्य सरकार तथा बैंकों के सहयोग से योजनागत उपलब्धियों को हासिल करने की वकालत की।

गुजरात में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले चार दिनों से गुजरात में बारिश ने कहर बरपा रखा हैं भारी बारिश के कारण राज्य के कई जिलों में गंभीर स्थिति पैदा हो गई हैं गुजरात की प्रशासनिक व्यवस्था राज्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए सुसज्जित है। गुजरात आपदा प्रबंधन इस आकाशीय आफत को लेकर सतर्क है और पूरी मुस्तैदी के साथ राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर कर रहा हैं स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर के आंकड़ों के मुताबिक आज 29 अगस्त को प्रातः 10.00 बजे प्राप्त सूचना के अनुसार पिछले 24 घंटों में 1,785नागरिकों को बचाया गया है और13,183 नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। राज्य में राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ की 17और एसडीआर की 25 टीमों केअलावा सेना की 9 टुकड़ियां तैनात की गई हैं राज्य में भारी बारिश के बीच जिला प्रशासन द्वारा सभी राहत एवंबचावकार्य किये जा रहे हैं। भारी बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भरगया है, लोगों की जान की रक्षा के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, सड़क एवं भवन,स्वास्थ्य समेत सभी विभाग लगातार कार्यरत हैं पानी में फंसे लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचायाजा रहा हैं भारी बारिश के कारण देवभूमि द्वारका जिले के कल्याणपुरतहसील के मेघपर टिटोडी गांव में चार नागरिक फंस गए थे। जिला प्रशासन की सतर्कता की मदद से उन्हें हेलीकाप्टर द्वारा बचाया गया और सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। वलसाड जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से खासकर गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर रखी जा रही हैं भारी बारिश और गंभीर परिस्थितियों के बीच वलसाड के कस्तूरबा अस्पताल में एक महिला प्रसूति कराई गई। इसी तरह सुरेंद्रनगर जिले के लिंबडी तहसील के परनाला गांव में एक महिला को बचाया गया और एक को स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया। जहां एक स्वास्थ्य कर्मी द्वारा उसका सफलतापूर्वक प्रसव कराया गया। पोरबंदर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज बारह बहनों का भी सफलतापूर्वक प्रसव कराया गया। अमरेली जिले के शियालबेट गांव की एक गर्भवती महिला को नाव से निकटतम स्वास्थ्य सुविधा में स्थानांतरित किया गया।जानकारी के मुताबिक कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र में भारी बारिश की स्थिति निकट भविष्य में भीजारीरहेगी जिसे देखते हुए राज्य सरकारनेनागरिकों से बिना काम के बाहर न निकलनेऔर दिए गए निर्देशों का पालनकरने की अपील की है।

हीरासर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे की 15 फूट ऊंची सुरक्षा दीवार ढही

राजकोट (ईएमएस) शहर के हीरासर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे के निकट 15 फू ऊंची सुरक्षा दीवार ढहने की घटना सामने आई हैं हांलाकि सुरक्षा दीवार गत सोमवाक को ढही था, जिसका वीडियो अब सामने आया हैं भारी बारिश ने राजकोट में कहर बरपा रखा है, कई जगह जलभराव के नजारे सामने आ रहे हैं अब एक वीडियो सामने आया है जिसमें भारी बारिश के कारण राजकोट के हीरासर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की 15 फीट की सुरक्षा दीवार गिर गई हैं पता चला कि दीवार पिछले सोमवार को गिरी थी जिसका वीडियो अब सामने आया हैं

अहमदाबाद में निर्माता से मानक चिह्न के बिना 6000 से अधिक खिलौने जब्त किए गए

अहमदाबाद ,29 अगस्त

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आदेश संख्या एस.ओ.853(ई) दिनांक 25 फरवरी 2020 और 15 सितंबर 2020 को संशोधित के अनुसार, 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के खेलने के लिए ऐसे उत्पादों (खिलौने) या सामान या वस्तुओं पर आई.एस.आई. वर्ष की आयु) 01 जनवरी 2021 के बाद मार्क अनिवार्य कर दिया गया है, जिसका अर्थ है कि कोई भी निर्माता या व्यापारी आईएसआई मार्क के बिना खिलौनों का निर्माण, बिक्री और स्टॉक नहीं कर सकता है और केवल उन निर्माताओं को आईएसआई मार्क लगाने की अनुमति है जिनके पास भारतीय मानक ब्यूरो से वैध लाइसेंस है। ब्यूरो से वैध लाइसेंस प्राप्त किए बिना निर्माताओं द्वारा आईएसआई मार्क लगाना या बिना आईएसआई मार्क के खिलौनों का निर्माण, बिक्री और भंडारण करना दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 की धारा 17 का उल्लंघन करने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। इस अपराध के लिए दो साल की कैद या न्यूनतम 2,00,000/- रुपये का जुर्माना या दोनों से दंडनीय है।

बेईमान निर्माता/व्यापारी जनता को धोखा देने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो से वैध लाइसेंस प्राप्त किए बिना ऐसे उत्पादों का निर्माण/बेच रहे हैं। इसके अलावा भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन भी दंडनीय अपराध है। भारतीय मानक ब्यूरो जनता को धोखाधड़ी और ऐसी सामग्री के उपयोग से होने वाले संभावित सुरक्षा खतरे से बचाने के लिए आईएसआई मार्क के दुरुपयोग की प्राप्त/प्राप्त शिकायतों के आधार पर समय-समय पर कई छापे मारता रहता है। किसी भी व्यक्ति को भारतीयमानक चिह्न के दुरुपयोग कीजानकारीहैया आईएसआई चिह्न के बिना अनिवार्य प्रमाणीकरण के तहत विनिर्माण उत्पादों के बारे में कोई जानकारी है, तो वह अध्यक्ष, भारतीय मानक ब्यूरो, तीसरी मंजिल, नवजीवन अमृत जयंती भवन, गुजरात विद्यापीठ के पीछे, आश्रम रोड, अहमदाबाद से संपर्क कर सकता है। 380014, फोननं.079-27540314 पर लिख सकते हैं। शिकायर्तेप्दर्गे,दन.गह याशिकाय र्तेंदन.गह पर ईमेल के माध्यम सेया घ्ए केयर ऐप के माध्यम से भी की जा सकती हैं। ऐसे सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

जामनगर में घटने लगा है बाढ़ का पानी, दिखाई दिया तबाही का मंजर

जामनगर ,29 अगस्त

रेन अपडेटः पिछले चार दिनों से लगातार हो रही मेघराजा मेघमेहर बारिश से राज्य में हर जगह बाढ़ के हालात बन गए हैं. राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश दर्ज की गयी है. आज राज्य के 93 तालुका में शाम 6 बजे से रात 10 बजे के बीच बारिश हुई है. कच्छ के मांडवी में चार इंच से ज्यादा बारिश हुई है. फिर वडोदरा, द्वारका समेत जामनगर जैसे शहर जलमग्न हो गए हैं. जामनगर में बाढ़ का पानी घटने के साथ ही तबाही का मंजर सामने आने लगा है.

पिछले चार दिनों में जामनगर जिले में औसतन 10 इंच से ज्यादा बारिश हुई है. जामनगर तालुका में 15 इंच बारिश हुई जबकि जोडिया तालुका में 6 इंच, ध्रोल तालुका में 7 इंच,कलावड तालुका में 11 इंच, लालपुरतालुकामें12 इंच, जामजोधपुर तालुका में 13 इंच से अधिक बारिश हुई। जामनगर जिले में इस साल औसतन 40 इंच बारिश हुई है. जामजोधपुर में 47 इंच से अधिक बारिश हुई, जबकि जामनगर तालुका में 40 इंच, जोडिया तालुका में 39 इंच, ध्रोल तालुका में 26 इंच, कलावड तालुका में 46 इंच, लाल पुर तालुका में 37 इंच बारिश हुई।

पिछले चार दिनों में वर्षा आपदा के कारण जब मेघराज ने रौद्र रूप धारण कर लिया तो बांध में पानी की आवक के कारण बांध का पानी जामनगर शहर की ओर मुड़ गया, जिससे पानी नदी तटीय इलाकों में प्रवेश कर गया, जिससे समस्या उत्पन्न हो गई। कई लोगों की कारें और सामान क्षतिग्रस्त हो गए. उधर, बिजली पोल टूटने से ब्लैकआउट हो गया। जामनगर के बेदी इलाके में आज सुबह एक युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को इसकी सूचना मिलते ही सबसे पहले जिला पुलिस प्रमुख प्रेमसुख डेलू मौके पर पहुंचे और बच्चे को ढूंढने के लिए जायजा लिया.

पुलिस विभाग द्वारा एक स्थानीय तैराक की सहायता की गई। फिर एस.डी.आर.एफ टीम भी लापता युवक की तलाश में जुट गई। हालांकि, देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं चला है, जिससे परिजन चिंतित हैं. पोरबंदर के राणावाव तालुका में फोडारा बांध में 5.5 फीट का पानी भरजानेसेआधीरात्केदौरान जाम जोधपुर तालुका के तरसाई गांव में पानी का भारी बहाव शुरू हो गया। ऐसे विकट समय में, जब गाँव की सड़क पर बहुत पानी था, तारसाई गाँव के वाडी क्षेत्र में रहने वाले और काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ तालुका पुलिस प्रणाली द्वारा कुल 74 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया। पड़ोसी वंसजलिया गाँव की वाडी में।

जामजोधपुर तालुका विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी प्रभावित लोगों को तरसाई गर्ल्स प्राइमरी स्कूल में सुरक्षित स्थान पर आश्रय दिया गया है। साथ ही सभी आश्रितों के लिए भोजन, नाश्ता, कपड़े आदि की भी व्यवस्था की गयी है. साथ ही, तालुका पुलिस व्यवस्था की ओर से प्रभावित लोगों को भोजन के पैकेट, पानी की बोतलें, दवाएं दी गई हैं।

पिछले 24 घंटों में पूरे जामजोधपुर पंथक में बेहद भारी बारिश हुई है. इसलिए दूर-दराज के इलाकों के गांव काफी प्रभावित हुए हैं. जामजोधपुर से तारसाई गांव को हनुमान गढ़ गांव से जोड़ने वाली सड़क पर आधी रात के दौरान तेज हवाओं के कारण पेड़ उखड़ गए। जब जामजोधपुर तालुका पुलिस को इसकी सूचना मिली, तो पेड़ को तुरंत हटा दिया गया और सड़क फिर से शुरू कर दी गई।

मुख्यमंत्री ने प्रभावित द्वारका जिले का दौरा कर राहत कार्यों की व्यापक समीक्षा की

द्वारका,29 अगस्त

पिछले कुछ दिनों से मेघराजा ने गुजरात में जमकर उत्पात मचाया हुआ है. भारी बारिश के कारण राज्य के कई जिलों में आपात स्थिति पैदा हो गयी. गुजरात की प्रशासनिक व्यवस्था राज्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी तरह की स्थिति से लड़ने के लिए सुसज्जित है। गुजरात आपदा प्रबंधन प्रणाली इस आकाशीय आपदा में सतर्कता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रही है। बारिश प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य मिशन मोड में चल रहा है. तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने हाल ही में हुई भारी बारिश से प्रभावित देवभूमि द्वारका जिले का दौरा किया और जिला प्रशासन द्वारा किये गये राहत कार्यों की समीक्षा की. पिछले पांच दिनों में प्रदेश में सबसे ज्यादा 944 मिलीमीटर बारिश देवभूमि द्वारका के खंभालिया में हुई है.

भारी बारिश और उससे उत्पन्न स्थिति की प्रत्यक्ष जानकारी लेने और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, तटरक्षक बल की मदद से जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे राहत कार्यों में मार्गदर्शन देने के लिए मुख्यमंत्री खंभालिया पहुंचे. उन्होंने खंभालिया के प्रभावित रामनगर और कंझार चेक पोस्ट क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों के कल्याण के बारे में जानकारी ली और प्रभावित लोगों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल नेमुख्य सचिव राजकुमार की मौजूदगी मेंद्वारका कलक्ट्रेट में समीक्षा बैठक की और जिले में नुकसान, लोगों को निकालने और बचाव का प्रासंगिक विवरण प्राप्त किया.

मुख्यमंत्री ने वर्षा के कारण जमा हुए पानी, गाद, मिट्टी आदि को हटाकर सफाई और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए अन्य जिलों से उपकरणों और सामग्रियों के साथ टीमें जुटाने का निर्देश दिया और स्वच्छता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा दल, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एम्बुलेंस, मोबाइल डिस्पेंसरी भेजकर स्वास्थ्य मामलों को प्राथमिकता दी और सार्वजनिक स्वास्थ्य की भलाई के बारे में चिंता की और महामारी न फैलने का ध्यान रखने का भी मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने स्पष्ट किया कि हमारा पूरा ध्यान अब लोगों को जल्दी ठीक होने और नुकसान से उबरने में मदद करने पर होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने बारिश रुकते ही नुकसान का प्रारंभिक सर्वेक्षण करने सहित योजनाबद्ध तरीके से काम करने का मार्गदर्शन दिया. कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को जिले की बारिश की स्थिति और सिस्टम द्वारा किये गये बचाव-राहत उपायों की जानकारी दी. यह भी पढ़ेंः मौसमः गुजरात पर अब भी बारिश का खतरा, सौराष्ट्र और कच्छ के लिए रेड अलर्ट

इसके मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले में एनडीआरएफ, कोस्ट गार्ड औरस्थानीय तंत्र और लोगों की मदद से 130लोगोंकोबचायागया है.इसकेअलावा1596 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है. विस्थापितों और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में 12,000 भोजन पैकेट वितरित किए गए हैं।

इस बैठक में मुख्यमंत्री ने देवभूमि द्वारका जिले में बारिश के कारण कच्चे घरों, झोपड़ियों की क्षति, मानव क्षति और पशु हानि का विवरण भी प्राप्त किया। उन्होंने इस जिले में 8 मकानों एवं झोपड़ियों के क्षतिग्रस्त होने तथा 25 पशुओं की मृत्यु, 1 मनुष्य की मृत्यु तथा 2 व्यक्तियों के घायल होने की भी जानकारी प्राप्त की। साथ ही, बारिश रुकने के तुरंत बाद राहत कार्य शुरू करने तथा प्रभावित लोगों को भुगतान देने का कार्य किया जाए नियमानुसार नकद गुड़िया,गृहभेदन सहायता, मृत्यु सहायता आदि देने का आग्रह किया। देवभूमि द्वारका में 272 बिजली के खंभे बारिश से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और109गांव प्रभावित हुए हैं, उन्होंने लगभग 40 बंद सड़कों को जल्द से जल्द यातायात योग्य बनाने के लिए तेजी से मरम्मत करने के निर्देश भी दिए। इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ प्रभारी मंत्री मुलुभाई बेरा, सांसद श्रीमती पूनमबेन मैडम और विधायक, पदापण्डया एवं अधिकारी शामिल हुए।

राजकोट में मानसिक रूप से बीमार मां के बेटे ने हत्या कर दी

राजकोट,29 अगस्त

हमने मां-बेटे के प्यार की कहानियां और अमर कहानियां सुनी हैं लेकिन राजकोट के एक मामले ने मां-बेटे को शर्मसार कर दिया है। जहां एक बेटे ने अपनी मानसिक रूप से विक्षिप्त मां की गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसके साथ फोटो शेयर की और लिखा 'मैं अपनी मां को मार रहा हूं - अपनी जिंदगी खो दूंगा'।

प्राप्त विवरण के अनुसार, राजकोट में यूनिवर्सिटी रोड पर भगतसिंह गार्डन के पास गुजरात हाउसिंग बोर्ड क्वार्टर में रहने वाले एक बेटे ने अपनी मानसिक रूप से बीमार मां की गला दबाकर हत्या कर दी। मां की हत्या करने के बाद उसने खुद ही पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और इसके बाद यूनिवर्सिटी पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची.

राजकोट में भगतसिंहजी गार्डन के पास गुजरात हाउसिंग बोर्ड क्वार्टर में रहने वाली ज्योतिबेन गोसाई की उनके बेटे ने हत्या की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम में दी। फिर थाने की टीम मौके पर पहुंची। जहां हत्यारा बेटा नीलेश गोसाई भी मौजूद था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने तुरंत शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया और आगे की जांच की। मां के मानसिक रूप से बीमार होने पर बेटा नीलेश उनकी सेवा करता था। लेकिन अब माना जा रहा है कि मां की मानसिक बीमारी के कारण बेटे ने अपनी मां की हत्या कर दी है. पुलिस ने घटना की आगे की जांच की है.

अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने की सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के पहले सार्वजनिक निर्गम की घोषणा

अहमदाबाद, 29 अगस्त

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (''कंपनी'' या ''एईएल''), अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी और बाजार पूंजीकरण के मामले में भारत के सबसे बड़े बिजनेस इन्क्यूबेटरों में से एक, जिसका 1993 से स्थायी बुनियादी ढांचा व्यवसाय बनाने का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है, ने सुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध रिडीमेबल, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के अपने पहले सार्वजनिक जारी करने की घोषणा की है।

इस इश्यू के तहत जारी किए जाने वाले प्रस्तावित एनसीडी को केयर रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा ''केयर ए+; पॉजिटिव (सिंगल ए प्लस; आउटलुकः पॉजिटिव) रेटिंग दी गई है। इन रेटिंग वाली प्रतिभूतियों को वित्तीय दायित्वों की समय पर सेवा के संबंध में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। ऐसी प्रतिभूतियों में कम क्रेडिट जोखिम होता है।

एईएल की पेशकश में 80,00,000 गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (''एनसीडी'' या ''डिबेंचर'') शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य 1,000रुपये होगा। बेस साइज इश्यू 400 करोड़ रुपयेहै, जिसमें अतिरिक्त 400 करोड़रुपये (''ग्रीन शू ऑप्शन'') तक ओवर-सब्सक्रिप्शन बनाए रखने का विकल्प है, जो कुल मिलाकर 800 करोड़रुपये (''इश्यू'' या ''इश्यू साइज'') है। यह इश्यू 04 सितंबर, 2024 को खुलेगा और 17 सितंबर, 2024 को बंद होगा, जिसमें समय से पहले बंद करने या विस्तार का विकल्प भी शामिल है।

एनसीडी के लिए प्रत्येक आवेदन के लिए न्यूनतम आवेदन आकार सामूहिक रूप से सभी श्रृंखलाओं में 10,000रुपये होगा और उसके बाद 1,000रुपये के गुणकों में होगा।

इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग मुख्य रूप से हमारी कंपनी द्वारा लिए गए मौजूदा ऋण के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, पूर्ण या आंशिक रूप से (कम से कम 75ॢ) और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (25ॢतक) के लिए समय-समय पर संशोधित भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 (''सेबी एनसीएस विनियम'') के अनुपालन में किया जाएगा।

ट्रस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए.के. कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड इस इश्यू के प्रमुख प्रबंधक हैं।

एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि में उपलब्ध हैं, जिसमें आठ श्रृंखलाओं में तिमाही, संचयी और वार्षिक ब्याज भुगतान विकल्प हैं।

अहमदाबाद मंडल पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 29 अगस्त 2024 को मंडल राजभाषा कार्यान्वबयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्य9क्ष सुधीर कुमार शर्मा द्वारा अहमदाबाद मंडल की ई-पत्रिका राजभाषा आश्रम सौरभ के 48वें अंक का अवलोकन/विमोचन किया गया। इस दौरान राजभाषा विभाग द्वारा 'सुभद्रा कुमारी चौहान जी' के जीवन पर पावर पॉइंट के माध्यजम से एक रोचक प्रस्तुनति दी गई और इससे संबंधित प्रश्नशमंच का आयोजन किया गया। उक्तक प्रश्नामंच में विजेता अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृसत किया गया। प्रत्येक तिमाही की भांति, इस अवसर पर, हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा मंडल की विशेष पुरस्काार योजना राजभाषा रत्न के तहत पुरस्कृलत किया। मंडल रेल प्रबंधक ने राजभाषा विभाग को बैठक के सफल आयोजन के लिए बधाई दी एवं अहमदाबाद मंडल पर संचालित अंशकालिक हिंदी पुस्तिकालय में उपलब्ध पुस्त कों की सूची मंडल की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक के उपाध्यक्ष एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) लोकेश कुमार ने मंडल रेल प्रबंधक द्वारा ध्याकन में लाई गई विभिन्नप मदों पर विशेष ध्यापन देने व कार्रवाई करने हेतु जोर दिया। महोदय ने विभिन्नं विभागाध्य क्षों व अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले निरीक्षणों में राजभाषा पैरा डालने तथा राजभाषा प्रगति हेतु चेकलिस्ट बनाकर इसका पालन कराने की बात कही। बैठक के अंत में उपाध्याक्ष ने धन्य्वाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अहमदाबाद मंडल के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम में सहभागिता की।

गुजरात में प्रत्यक्ष बिक्री कारोबार 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,000 करोड़ रुपये के पार

अहमदाबाद, 29 अगस्त 2024: देश के पश्चिमी क्षेत्र में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर कब्जा बरकरार रखते हुये गुजरात में प्रत्यक्ष बिक्री कारोबार वर्ष 2022-23 में लगभग दस प्रतिशत की विकास दर दर्ज करते हुये 1,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है, इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) ने वीरवार को यहां एक कार्यक्रम में जारी की गई सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोनाकाल की तमाम विपरीत परिस्थितियों के बाद स्वरोजगार, आय के अतिरिक्त साधन, आजीविका और सूक्ष्म उद्यमिता के असीम अवसर पैदा करने की क्षमता वाले प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग ने तेजी से पटरी पर लौटते हुये राज्य में इस अवधि के दौरान वर्ष 2021-22 के 923 करोड़ रूपये के मुकाबले 9.86 प्रतिशत से अधिक की मजबूत विकास दर हासिल कर 1,014 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया।

राज्य के खाद्य, आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मामलों के मंत्री कुंवरजीभाई मोहनभाई बावलिया ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिए अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने के साथ ही उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

आईडीएसए अध्यक्ष विवेक कटोच ने इस अवसर पर देश में प्रत्यक्ष बिक्री परिदृश्य की जानकारी दी और कहा कि 'गुजरात प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिये प्रमुख और प्राथमिकता वाले बाजारों में शामिल है। लगभग दस प्रतिशत की सालाना विकास दर स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि राज्य में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग नये आयाम छूने की ओर अग्रसर है और इसमें प्रत्यक्ष बिक्रेताओं की अथक मेहनत की भी पुष्टि होती है'।

पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री से बारिश और बाढ़ के हालात की जानकारी ली

गुजरात में पिछले तीन दिनों से आसमानी आफत ने कहर बरपा रखा हैं जिसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिर एक बार गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ आज सुबह टेलीफोन पर बातचीत की और भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति के बारे में जानकारी ली साथ ही पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीटर पर यह जानकारी साझा की मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी से हुई बातचीत के बारे में अपने पर पोस्ट कर बताया ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात की स्थिति जानने के लिए ने आज सुबह एक बार फिर मुझसे टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों के प्रभावित लोगों के लिए राहत उपायों के बारे में जानी उन्होंने वडोदरा में विश्वामित्री नदी की बाढ़ पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावित लोगों को प्रदान की जा रही राहत और सहायता का विवरण मांगा। प्रधानमंत्री ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य सहित मामलों पर और सार्वजनिक जीवन को शीघ्र बहाल करने के लिए मार्गदर्शन दिया

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95